घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 127- मंगलवार 10- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

संसद के बजट सत्र का दूसरे फेज : ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा

सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नई दिल्ली,09 मार्च 2026। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन की लोकसभा की कार्यवाही खत्म हुई। विपक्ष ने अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा किया। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा। सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है,हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे,लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है,जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जबाव दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया। वहीं, विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा-इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है। राज्यसभा में जब जयशंकर संबोधन दे रहे थे तब विपक्ष ने राज्यसभा का वॉक आउट किया। लोकसभा में उनके संबोधन के दौरान विपक्ष ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए, खबू हंगामा किया। चेयर के बार-बार बोलने पर भी विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए थे। राज्यसभा की कार्यवाही अभी जारी है।

अठावले बोले- विपक्ष को हंगामा करने की आदत : केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा- विपक्ष को दोनों सदनों में हंगामा करने की आदत है। वे काम नहीं करना चाहते। आज लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी,लेकिन उन्होंने यूएस-इजराइल बनाम ईरान विवाद पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा,विवाद पर भारत का रुख साफ है,हम चाहते हैं कि युद्ध खत्म हो और शांति बनी रहे।

विदेश मंत्री ने कहा- 67,000 नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके

मौजूदा संघर्ष भारत के लिए भी चिंता की बात है। हम पड़ोसी हैं,और वेस्ट एशिया में स्थिरता बनाए रखना हमारी भी जिम्मेदारी है। खाड़ी देशों में एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। ईरान में भी,कुछ हजार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है और इसमें तेल और गैस के कई जरूरी सप्लायर शामिल हैं। सप्लाई चेन में रुकावटें और अस्थिरता गंभीर मुद्दे हैं। हमने दो भारतीय नाविकों (मर्चेंट शिपिंग) को खो दिया है, और एक अभी भी लापता है। मुंबई के शिपिंग डायरेक्टरेट जनरल ने 14 जनवरी को भारतीय नाविकों से कहा था कि वे एम्बेसी की एडवाइजरी मानें और किनारे पर बेवजह आने-जाने से बचें। वेस्ट एशिया से हमारे लोगों को वापस लाने की पूरी कोशिश की जा रही है। 8 मार्च तक हमारे लगभग 67,000 नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके हैं। संबंधित मंत्रालय जवाब देने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। लड़ाई लगातार बढ़ रही है। इलाके में सुरक्षा की स्थिति काफी खराब हो गई है। असल में,लड़ाई दूसरे देशों में भी फैल गई है। इससे तबाही और मौतें बढ़ रही हैं।

किरेन रिजिजू बोले...विपक्ष को पता ही नहीं वह क्या चाहता है : लोकसभा में पीठासीन जगदंबिका पाल ने कहा,आप प्ले कार्ड नीचे रखें। विदेश मंत्री गल्फ देशों के हालात पर सदन को संबोधित कर रहे हैं। वे वहां मौजूद भारतीयों की स्थिति के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने सारी बातों का जवाब दिया है। इस बीच किरेन रिजिजू ने कहा...विपक्ष को पता ही नहीं वो क्या करना चाहते हैं। वे कंफ्यूज है। पहले विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर के खिलाफ नोटिस दिया, लेकिन अब ये दूसरा नोटिस दे रहे हैं, दूसरा मोशन लाने का क्या मतलब है। विपक्ष जो आवाज उठा रहा है, विदेश मंत्री उस पर इतने अच्छे से जबाव दे रहे हैं। मैंने आजतक इतना गैर जिम्मेदाराना विपक्ष नहीं देखा है। आप लोग एक पार्टी, एक आदमी, एक पार्टी से बाहर आना नहीं चाहते हैं क्या?

राहुल बोले...पश्चिम एशिया के युद्ध से हमारी अर्थव्यवस्था को नुकसान

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा...पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध हमारी अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन हमारे कॉम्प्रोमाइज्ड प्रधानमंत्री में इस पर चर्चा करने का साहस नहीं है। शेयर बाजार गिर रहा है, एलपीजी की कीमतें बढ़ रही हैं और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें ऐतिहासिक स्तर तक पहुंच रही हैं। इसका सीधा असर आम आदमी, घरेलू बजट और छोटे व मध्यम व्यवसायों पर पड़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को ब्लैकमेल किया जा रहा है। उनके पास भारतीय जनता के हितों को बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मेरी बात याद रखिए, वे संसद में नहीं आएंगे।

गिरिराज सिंह बोले- विपक्ष से ऐसी उम्मीद नहीं थी

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा- विपक्ष से सदन में इस तरह के व्यवहार की उम्मीद कभी नहीं थी। सदन को चलने नहीं देना जनता के अधिकारों को छीनने जैसा है। आप 'अबोध बालक' हैं और आप ऐसे ही रह सकते हैं। सदन में प्लेकार्ड दिखाने का मतलब है कि आपको जवाब नहीं चाहिए, बल्कि आप सिर्फ हंगामा करना चाहते हैं।

विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन,पश्चिम एशिया तनाव,ऊर्जा सुरक्षा पर सरकार को घेरा

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हुआ। विपक्षी दलों ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर संसद भवन परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया। विपक्ष ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर सरकार पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी,कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, सांसद प्रियंका गांधी,किशोरी लाल शर्मा समेत तमाम विपक्षी सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने हाथों में बड़े पोस्टर और बैनर पकड़ रखे थे। इन पोस्टरों पर सरकार के विरोध में नारे लिखे थे। विपक्षी सांसदों ने इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

पीयूष गोयल बोले...कांग्रेस बहस से भाग रही

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- यह बहुत बुरा है कि कांग्रेस बहस से भाग रही है। स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन के लिए कांग्रेस के कहने पर एक नोटिस एडमिट किया गया था,जिसे उन्होंने ठीक से ड्राफ्ट भी नहीं किया था। इसे ठीक किया गया और फिर एडमिट किया गया। आज की तारीख डिस्कशन के लिए सोच-विचार के बाद तय की गई थी। जब एक मोशन एडमिट हो गया और यह तय हो गया कि आज इस पर डिबेट होगी,तो वे उसी समय दूसरा मोशन ले आए। गोयल ने कहा कि कांग्रेस को पार्लियामेंट्री प्रोसेस या प्रोसीजर समझ नहीं आता,न ही वे कॉन्स्टिट्यूशन की रिस्पेक्ट करते हैं। जब से राहुल गांधी लीडर ऑफ अपोजिशन बने हैं, उन्होंने डिबेट में हिस्सा लेने की कोई इच्छा नहीं दिखाई है। उन्होंने पहले ही मुद्दों की एक लिस्ट बना ली है, प्लेकार्ड लाए हैं, हाउस को डिस्टर्ब किया है और बेबुनियाद मामलों पर पार्लियामेंट का समय बर्बाद किया है। उन्होंने कहा कि जिस दिन इतने जरूरी मुद्दे पर डिस्कशन होना था,विपक्ष ने डिबेट से भागने का फैसला किया, क्योंकि वे साफ तौर पर जानते हैं कि स्पीकर को पूरे हाउस का कॉन्फिडेंस है।

मादा चीता ज्वाला ने 5 शावकों को जन्म दिया

कूनो नेशनल पार्क में बढ़ा कुनबा,अब भारत में कुल 53 चीते

श्योपुर,09 मार्च 2026। मध्य प्रदेश में श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से खुशखबरी आई है। नामीबियाई मादा चीता 'ज्वाला' ने 9 मार्च को 5 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही अब भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 53 हो गई है। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस जानकारी को साझा करते हुए इसे 'प्रोजेक्ट चीता' और वन्यजीव संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने लिखा- कूनो में आने के बाद ज्वाला ने यहां के वातावरण को पूरी तरह अपना लिया है और वह पार्क की सबसे सफल मादा चीताओं में शुमार हो गई है।

तीसरी बार मां बनी नामीबियाई ज्वाला

ज्वाला (पूर्व नाम सियाया) उन आठ चीतों में शामिल थी, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2022 में कूनो में छोड़ा था। यह ज्वाला का तीसरा प्रसव है। इससे पहले उसने मार्च 2023 में पहली बार 4 शावकों को जन्म दिया था, जिनमें से केवल एक- मुखी ही जीवित बचा था। जनवरी 2024 में 3 शावकों को जन्म देने के बाद अब 9 मार्च 2026 को तीसरी बार 5 शावकों को जन्म दिया है।

तेलंगाना से कांग्रेस के दो उम्मीदवार राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित

हैदराबाद,09 मार्च 2026 । तेलंगाना से राज्यसभा की दो सीटों के लिए कांग्रेस के दोनों उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। इसकी घोषणा सोमवार को हैदराबाद में चुनाव आयोग के रिटर्निंग ऑफिसर उपेंद्र रेड्डी ने की। रिटर्निंग ऑफिसर उपेंद्र रेड्डी ने बताया कि कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और वेम नरेंद्र रेड्डी ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया था। उनके खिलाफ कोई अन्य वैध उम्मीदवार मैदान में नहीं होने के कारण दोनों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि निर्वाचित होने से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज जल्द ही दोनों नेताओं को सौंप दिए जाएंगे। गौरतलब है कि राज्यसभा के कुछ सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल में समाप्त होने वाला है। इसी को लेकर केंद्र सरकार ने हाल ही में राज्यसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद कांग्रेस ने तेलंगाना से अभिषेक मनु सिंघवी और वेम नरेंद्र रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया था। अभिषेक मनु सिंघवी देश के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं और लंबे समय से कांग्रेस के प्रमुख कानूनी रणनीतिकार के रूप में जाने जाते हैं। उन्हें एक बार फिर तेलंगाना से राज्यसभा भेजा गया है।

योगी सरकार के विमान बेड़े में शामिल हुआ अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू-139

लखनऊ,09 मार्च 2026। उत्तर प्रदेश सरकार के विमान बेड़े में एक और आधुनिक हेलिकॉप्टर शामिल हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने सुरक्षित और तेज हवाई यात्रा के लिए इटली की कंपनी लियोनार्डो द्वारा निर्मित अगस्ता वेस्टलैंड एडब्ल्यू-139 हेलिकॉप्टर खरीदा है। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसी हेलिकॉप्टर से कानपुर दौरे पर गए थे, जिसके बाद यह हेलिकॉप्टर चर्चा का विषय बन गया। सूत्रों के मुताबिक इस हेलिकॉप्टर को चलाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के तीन पायलटों को इटली भेजकर विशेष प्रशिक्षण दिलाया गया। प्रशिक्षण के दौरान पायलटों को हेलिकॉप्टर की तकनीकी जानकारी के साथ-साथ कठिन परिस्थितियों में सुरक्षित उड़ान और आपात स्थिति में लैंडिंग की प्रक्रिया सिखाई गई। यह हेलिकॉप्टर आमतौर पर दो पायलटों द्वारा संचालित किया जाता है और इसमें लगभग 12 से 15 लोगों के बैठने की क्षमता है।

हाईकोर्ट ने केजरीवाल समेत 23 आरोपियों को जारी किया नोटिस

राउज एवेन्यू कोर्ट के रिहाई वाले आदेश पर रोक लगाने से इनकार...

नई दिल्ली,09 मार्च 2026। दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े कथित घोटाले के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ा कदम उठाते हुए राउज एवेन्यू कोर्ट से बरी किए गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसौदिया समेत सभी 23 आरोपियों को नोटिस जारी किया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी। सोमवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा आरोपियों को दी गई राहत पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। साथ ही कोर्ट ने जांच करने वाले सीबीआई अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है। दरअसल,

सीबीआई ने राउज एवेन्यू कोर्ट के उस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है,जिसमें केजरीवाल, सिसौदिया समेत 23 आरोपियों को मामले से बरी किया गया था। सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आरोपियों की रिहाई के आदेश पर रोक लगाने की मांग की,लेकिन अदालत ने इसे स्वीकार नहीं किया। सुनवाई के दौरान अदालत ने ट्रायल कोर्ट से यह भी कहा कि प्रवर्तन निदेशालय से जुड़े मामले की सुनवाई फिलहाल टाल दी जाए,जब तक हाईकोर्ट सीबीआई की रिवीजन याचिका पर फैसला नहीं कर देता।

सबसे बड़े घोटालों में से एक

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में दलील देते हुए कहा कि यह मामला देश की राजधानी दिल्ली के इतिहास के सबसे बड़े घोटालों में से एक है। उन्होंने कहा कि इस मामले की वैज्ञानिक तरीके से जांच की गई और साजिश के हर पहलू के सबूत सामने आए हैं। मेहता ने कोर्ट में कहा कि, हवाला के जरिए कई हिस्सों में पैसे ट्रांसफर किए गए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में राजनीतिक बदले की भावना के आरोप लगाए जा सकते हैं, लेकिन सभी महत्वपूर्ण गवाहों से मजिस्ट्रेट के सामने पूछताछ की गई है।

164 के बयानों में साजिश का जिक्र

मेहता ने दलील दी कि, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत दर्ज गवाहों के बयान यह स्पष्ट करते हैं कि साजिश कैसे रची गई, रिश्वत किसे दी गई और किस तरह से दी गई। उन्होंने कहा कि पार्टी के कम्युनिकेशन इंचार्ज विजय नायर का नाम सामने आया है और करीब 100 करोड़ रुपए की रिश्वत फेवर देने के बदले दी गई।

12 दिनों में आया 600 पेज का फैसला

सीबीआई की ओर से पेश तुषार मेहता ने कहा कि जांच के दौरान ईमेल और व्हाट्सऐप चैट सहित कई दस्तावेज एकत्र किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई आधारहीन आरोप नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट ने महज 12 दिनों में 600 पन्नों का फैसला सुना दिया। मेहता ने कहा कि जल्दी न्याय देना एक लक्ष्य हो सकता है, लेकिन इसका परिणाम गलत नहीं होना चाहिए। फिलहाल हाईकोर्ट ने सभी आरोपियों को नोटिस जारी करते हुए सीबीआई की याचिका पर सुनवाई जारी रखने का फैसला किया है।

चुनावी हिंसा पर 'शून्य सहनशीलता' की नीति अपनाएगा आयोग : ज्ञानेश कुमार

कोलकाता,09 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राजनीतिक दलों को आश्वस्त किया है कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आयोग सभी आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनावी हिंसा के मामले में आयोग की नीति 'शून्य सहनशीलता' की होगी। कोलकाता में सोमवार को आयोजित बैठक के दौरान ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत में चुनाव पूरी तरह कानून के अनुसार कराए जाते हैं और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए आयोग कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस बैठक में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार, बैठक का उद्देश्य

विभिन्न राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सुनना तथा चुनाव प्रक्रिया को और मजबूत बनाने में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था। बैठक को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया गया,जिसमें प्रत्येक राजनीतिक दल को अपनी बात रखने के लिए लगभग 15 मिनट का समय दिया गया। बैठक में कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और नेशनल पीपुल्स पार्टी के प्रतिनिधि मौजूद थे। राज्य स्तरीय दलों में ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। बैठक के दौरान कुछ दलों ने पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की सराहना भी की। आयोग के अधिकारियों के अनुसार, कुछ प्रतिनिधियों ने भरोसा जताया कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाने में मदद करेगी। इसके साथ ही कई दलों ने चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता भी जताई।

विजयपुर से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव निरस्त

नामांकन में क्रिमिनल रिकॉर्ड छिपाया था

ग्वालियर,09 मार्च 2026। ग्वालियर हाईकोर्ट ने विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव रद्द कर दिया है। ग्वालियर बेंच के जस्टिस जी.एस. अहलूवालिया ने यह फैसला बीजेपी नेता और पूर्व मंत्री रामनिवास रावत की याचिका पर सुनाया। रावत अब विजयपुर विधानसभा सीट से नए एमएलए होंगे। रामनिवास रावत ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि मुकेश मल्होत्रा ने 2024 के उपचुनाव नॉमिनेशन में अपने खिलाफ दर्ज क्रिमिनल केस की पूरी जानकारी नहीं दी थी। मुकेश ने 4 क्रिमिनल रिकॉर्ड बताए थे, जबकि 2 केस छिपाए थे। याचिका में रावत ने मल्होत्रा के खिलाफ दर्ज सभी 6 क्रिमिनल केस की जानकारी दी थी। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि रामनिवास रावत उपचुनाव में दूसरे नंबर पर आए थे, इसलिए मुकेश मल्होत्रा का चुनाव रद्द किया जाता है। साथ ही रावत को विजयपुर का एमएलए घोषित किया जाता है। मुकेश मल्होत्रा के वकील प्रतीप बिसोरिया ने बताया कि बीजेपी उम्मीदवार राम निवास रावत की फाइल की गई पिटीशन में दो मामलों में जानकारी छिपाने का आरोप लगाया गया है।

असम चुनाव से पहले अगप के जयंत खाउंद समेत 16 नेता कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली,09 मार्च 2026। असम गण परिषद (अगप) के राष्ट्रीय मुख्य वित्त सचिव रहे जयंत खाउंद सहित 16 नेता सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। इन सभी नेताओं ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में असम प्रभारी महासचिव जितेन्द्र सिंह, पीसीसी अध्यक्ष गौरव गोगोई और असम के वरिष्ठ पर्यवेक्षक डीके शिवकुमार की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। गौरव गोगोई ने कहा कि आज असम विधानसभा चुनाव के संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण दिन है। असम के लोग जयंत खाउंद को भली-भांति जानते हैं और वह लंबे समय से जनता के लिए काम करते रहे हैं। पिछले कुछ समय से जयंत खाउंद कांग्रेस के संपर्क में थे और उन्होंने पार्टी में शामिल होने की इच्छा जताई थी। उनके इस फैसले से उनके विधानसभा क्षेत्र के लोग भी उत्साहित हैं। गोगोई ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जयंत खाउंद कांग्रेस के साथ मिलकर मजबूती से चुनाव लड़ेंगे।

जन आकांक्षाओं की पूर्ति सरकार का संकल्प,शिक्षा-स्वास्थ्य-खेल प्रमुख क्षेत्र : मोदी

नई दिल्ली,09 मार्च 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना उनकी सरकार का मूल संकल्प है और शिक्षा,कौशल विकास,स्वास्थ्य, पर्यटन,खेल तथा संस्कृति जैसे क्षेत्र इन आकांक्षाओं को साकार करने के प्रमुख माध्यम हैं। उन्होंने शिक्षा प्रणाली को वास्तविक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री मोदी 'सबका साथ, सबका विकास - जन

आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर आयोजित बजट के बाद की वेबिनार शृंखला की चौथी कड़ी को संबोधित कर रहे थे। इस वेबिनार में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों के अधिकारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं ने भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना केवल एक विषय नहीं,बल्कि सरकार के बजट का मूल उद्देश्य और संकल्प है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य,पर्यटन,खेल और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे निवेश और सुधार देश के विकास को नई दिशा देने वाले हैं। इन क्षेत्रों के माध्यम से न केवल युवाओं के लिए अवसर बढ़ेंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल उपचार आधारित व्यवस्था तक सीमित नहीं है,बल्कि एक व्यापक और निवारक स्वास्थ्य प्रणाली का निर्माण करना है।

पिछले कुछ वर्षों में देश के स्वास्थ्य ढांचे को तेजी से मजबूत किया गया है और योग तथा आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर व्यापक स्वीकार्यता मिली है।

संपादकीय

अनुशासन या अपमान?
शिक्षा व्यवस्था पर उठते सवाल

हाल के दिनों में विद्यालय में छात्राओं को 'मुर्गा' बनाकर दंड देने की घटना को लेकर व्यापक चर्चा और विवाद देखने को मिला है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आने के बाद इस मुद्दे ने राजनीतिक और सामाजिक बहस का रूप ले लिया। कुछ लोगों ने इसे बच्चों के सम्मान के खिलाफ अमानवीय व्यवहार बताया,जबकि कुछ लोगों का मानना है कि अनुशासन बनाए रखने के लिए शिक्षकों को कुछ हद तक कठोर होने की आवश्यकता होती है। इस पूरे विवाद के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या शिक्षा व्यवस्था में अनुशासन की भूमिका समाप्त हो रही है,या फिर हम अनुशासन और सम्मान के बीच संतुलन बनाने में असफल हो रहे हैं। किसी भी घटना पर अंतिम राय बनाने से पहले उसका पूरा सच सामने आना आवश्यक होता है। कई बार अधूरी जानकारी या किसी एक वीडियो के आधार पर पूरे मामले का आकलन कर लिया जाता है, जबकि वास्तविकता उससे अलग भी हो सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जांच हो और तथ्यों के आधार पर ही कोई निर्णय लिया जाए। बिना जांच के किसी शिक्षक को दोषी ठहराना उतना ही गलत है जितना कि बच्चों के साथ किसी प्रकार के अपमानजनक व्यवहार को उचित ठहराना।

शिक्षक को केवल एक कर्मचारी नहीं,बल्कि गुरु के रूप में देखा जाता था और समाज में उनका विशेष सम्मान होता था। माता-पिता भी शिक्षकों के निर्णयों पर भरोसा करते थे और बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए शिक्षक की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते थे। लेकिन समय के साथ समाज में कई बदलाव आए हैं। बच्चों के अधिकारों, गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ी है। यह बदलाव सकारात्मक भी है,क्योंकि किसी भी बच्चे के साथ अपमानजनक या हिंसक व्यवहार स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाना और उनके व्यक्तित्व का विकास करना है। यदि किसी दंड के कारण बच्चे के आत्मसम्मान को गहरी चोट पहुंचती है,तो यह शिक्षा के मूल उद्देश्य के विपरीत माना जाएगा। यहीं से एक नई चुनौती सामने आती है। यदि बच्चों के सम्मान की रक्षा करना आवश्यक है,तो विद्यालयों में अनुशासन बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होती; वह व्यवहार,जिम्मेदारी और सामाजिक मर्यादा का भी प्रशिक्षण देती है। यदि विद्यालयों में अनुशासन कमजोर पड़ता है,तो उसका प्रभाव सीधे शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ता है। आज कई शिक्षक यह महसूस करते हैं कि वे पहले की तरह सख्ती नहीं कर सकते,क्योंकि किसी भी छोटी घटना को लेकर विवाद खड़ा हो सकता है। कई बार शिक्षक इस भय में रहते हैं कि उनकी किसी कार्रवाई को गलत तरीके से प्रस्तुत कर दिया जाएगा। इसका परिणाम यह होता है कि कुछ शिक्षक अनुशासन लागू करने से ही बचने लगते हैं। जब शिक्षक ही असमंजस और भय के माहौल में होंगे,तो शिक्षा व्यवस्था पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। दूसरी ओर यह भी सच है कि हर प्रकार की सजा को अनुशासन का नाम देकर सही नहीं ठहराया जा सकता। शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को डराकर नहीं, बल्कि प्रेरित करके आगे बढ़ाना होना चाहिए। आधुनिक शिक्षा पद्धति इस बात पर जोर देती है कि अनुशासन का निर्माण सकारात्मक तरीकों से किया जाए। संवाद,मार्गदर्शन और प्रेरणा के माध्यम से भी बच्चों में अनुशासन विकसित किया जा सकता है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब समाज इन दोनों दृष्टिकोणों के बीच संतुलन नहीं बना पाता। एक ओर ऐसे लोग हैं जो किसी भी प्रकार की सख्ती को गलत मानते हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जो मानते हैं कि बिना कठोरता के अनुशासन संभव नहीं है। वास्तविक समाधान शायद इन दोनों के बीच कहीं मौजूद है। इस संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि शिक्षा से जुड़े मुद्दों को कई बार राजनीतिक रंग दे दिया जाता है।

आभासी दुनिया से बचपन को सुरक्षित रखने की पहल

डिजिटल युग में मानव जीवन की गति और स्वरूप तेजी से बदल रहा है। संचार, शिक्षा,मनोरंजन और सामाजिक संबंधों का बड़ा हिस्सा अब आभासी माध्यमों के सहारे संचालित होने लगा है। इस परिवर्तन ने जहां अनेक सुविधाएं प्रदान की हैं, वहीं विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के मानसिक, शैक्षणिक,सामाजिक और भावनात्मक विकास के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। इसी संदर्भ में भारत के तकनीकी रूप से अग्रणी राज्य कर्नाटक ने एक महत्वपूर्ण और अनुकरणीय पहल करते हुए सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों को सामाजिक माध्यमों के उपयोग से दूर रखने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र में यह घोषणा की कि किशोर आयु वर्ग के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए कठोर नियम बनाए जाएंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को आभासी दुनिया के दुष्प्रभावों से बचाना और उनके स्वस्थ मानसिक विकास को सुनिश्चित करना है। एक अनुकरणीय पहल है, जिससे प्रेरणा लेते हुए अन्य प्रांतों को भी बचपन को सोशल मीडिया के खतरों से बचाने की दिशा में सार्थक उपक्रम करने चाहिए।

ललित शर्मा

कर्नाटक की इस पहल के तुरंत बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की कि राज्य में तेरह वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए आगामी नब्बे दिनों के भीतर कानून बनाया जाएगा। इस प्रकार आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा निर्णय लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इन दोनों राज्यों की पहल केवल प्रशासनिक निर्णय भर नहीं है, बल्कि यह तेजी से आभासी होती दुनिया में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चल रही वैश्विक बहस का हिस्सा भी है। विश्व के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर चिंतन हो रहा है। उदाहरण के लिए ऑस्ट्रेलिया में पहले ही सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर प्रतिबंध लागू किया जा चुका है,वहीं फ्रांस जैसे देशों में भी बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर कठोर नियम बनाए जा रहे हैं। वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में अनेक मनोवैज्ञानिकों और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लगातार चेतावनी दी है कि सामाजिक माध्यमों का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। बच्चों में आत्मविश्वास की कमी, अकेलापन,चिंता,अवसाद,ध्यान भंग होने की प्रवृत्ति तथा आक्रामक व्यवहार जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आभासी मंचों पर लगातार तुलना और प्रदर्शन की प्रवृत्ति के कारण बच्चों के मन में हीनता और असंतोष की भावना भी जन्म लेने लगती है। यही कारण है कि भारत सरकार के 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में भी इस विषय को गंभीर चिंता के रूप में रेखांकित किया गया था।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार किशोरों का औसत दैनिक स्क्रीन समय लगातार बढ़ रहा है। अनेक सर्वेक्षण बताते हैं कि कई देशों में तेरह से अठारह वर्ष आयु वर्ग के बच्चे प्रतिदिन तीन से छह घंटे तक आभासी माध्यमों पर समय बिताते हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव उनकी पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और शारीरिक गतिविधियों पर पड़ता है। ध्यान और एकाग्रता की क्षमता में कमी आने से अध्ययन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। बच्चों का स्वाभाविक बचपन, जो खेलकूद,मित्रता और प्रकृति के साथ जुड़ाव से समृद्ध होता है, वह धीरे-धीरे कृत्रिम आभासी संसार में सिमटता जा रहा है। इसके अतिरिक्त आभासी माध्यमों के माध्यम से साइबर उत्पीड़न और साइबर धोखाधड़ी जैसी समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। कई बार बच्चे अनजाने में ऐसे जाल में फंस जाते हैं जिससे उनका मानसिक संतुलन और सुरक्षा दोनों प्रभावित होते हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध अनुचित सामग्री भी बच्चों के मनोविज्ञान पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए आभासी दुनिया के बढ़ते प्रचलन पर केवल

जागरूकता पर्याप्त नहीं है,बल्कि ठोस नीतिगत कदम उठाने की आवश्यकता है। हालांकि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की पहल सराहनीय है,किंतु इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अनेक व्यावहारिक प्रश्न भी सामने आते हैं। आज के समय में स्मार्टफोन और विभिन्न अनुप्रयोग शिक्षा और दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। अनेक विद्यालय असाइनमेंट,सूचना और संवाद के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हैं। ऐसे में यह निर्धारित करना कठिन हो सकता है कि किसी बच्चे द्वारा किया गया उपयोग शैक्षिक उद्देश्य से है या सामाजिक उद्देश्य से। दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न आयु सत्यापन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यह सुनिश्चित करना कि कोई बच्चा वास्तव में तेरह या सोलह वर्ष से कम आयु का है,तकनीकी दृष्टि से एक जटिल कार्य है। यदि तकनीकी कंपनियां इस दिशा में सहयोग नहीं करती हैं तो नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करना कठिन हो सकता है। अनेक परिवारों में एक ही मोबाइल फोन का उपयोग परिवार के कई सदस्य करते हैं,ऐसे में बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों तक पहुंच को पूरी तरह रोकना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। फिर भी इन कठिनाइयों के बावजूद यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समाज को एक गंभीर समस्या की ओर ध्यान दिलाती है। वास्तव में बच्चों को आभासी माध्यमों के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि एक संतुलित और व्यापक दृष्टिकोण एवं जागरूकता अभियान अपनाना आवश्यक होगा। इसमें सरकारों, विद्यालयों,तकनीकी मंचों और अभिभावकों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सरकारों को चाहिए कि वे बच्चों की डिजिटल सुरक्षा के लिए स्पष्ट नीतियां बनाएं और तकनीकी कंपनियों के साथ मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिसमें बच्चों की आयु का सत्यापन प्रभावी ढंग से किया जा सके। विद्यालयों को भी छात्रों को डिजिटल अनुशासन और जिम्मेदार उपयोग के बारे में शिक्षित करना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका तो सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि बच्चों के व्यवहार और आदतों का निर्माण परिवार में ही होता है। यदि माता-पिता स्वयं डिजिटल संयम का उदाहरण प्रस्तुत करें और बच्चों के साथ संवाद बनाए रखें,तो आभासी माध्यमों के दुष्प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके साथ ही बच्चों को रचनात्मक और सृजनात्मक वातावरण प्रदान करना भी आवश्यक है। खेलकूद,पठन-पाठन,संगीत,कला और प्रकृति के साथ जुड़ाव जैसी गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व को संतुलित और समृद्ध बनाती हैं। यदि बचपन में ही इन सकारात्मक आदतों का विकास किया जाए तो बच्चे स्वाभाविक रूप से आभासी माध्यमों पर निर्भरता से दूर रह सकते हैं। समाज को भी इस दिशा में सकारात्मक पहल करनी चाहिए ताकि बच्चों के लिए स्वस्थ और प्रेरणादायक वातावरण तैयार किया जा सके। आज यह स्पष्ट हो चुका है कि डिजिटल क्रांति के साथ-साथ डिजिटल अनुशासन की भी आवश्यकता है। तकनीक का उद्देश्य मानव जीवन को समृद्ध बनाना होना चाहिए,न कि उसे मानसिक और सामाजिक संकटों की ओर धकेलना। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण चेतावनी और प्रेरणा दोनों है। यदि अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा लेकर बच्चों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं और केंद्र सरकार इस विषय पर राष्ट्रीय स्तर का कानून बनाने पर विचार करे,तो यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। लगातार बिगड़ती स्थितियों के बीच निश्चित तौर पर केंद्र सरकार को भी देश में एक केंद्रीय कानून लाने को बाध्य होना पड़ सकता है। वहीं केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर विषय विशेषज्ञों और समाज के विभिन्न वर्गों से भी राय लेनी चाहिए। ऐसे वक्त में जब बच्चों का स्क्रीन टाइम एक लत के रूप में लगातार बढ़ा है तथा उनकी एकाग्रता कम होने से पढ़ाई बाधित हो रही है,तो इस संकट का समाधान केंद्र व राज्यों की प्राथमिकता होनी चाहिए। वास्तव में बच्चों का बचपन केवल आभासी दुनिया में खो जाने के लिए नहीं है। उनका बचपन कल्पनाओं,खेल,सीखने और सृजन की संभावनाओं से भरा हुआ होना चाहिए। यदि समाज और शासन मिलकर यह सुनिश्चित कर सकें कि बच्चों का बचपन सुरक्षित, संतुलित और सृजनात्मक वातावरण में विकसित हो,तभी हम एक स्वस्थ,संवेदनशील और सशक्त भविष्य की कल्पना कर सकते हैं।

ये कहानी है संत कनप्पा की...

कई जगह एक मूर्ति दिखाई जाती है वह है संत कनप्पा की है जिसमे एक व्यक्ति का पैर शिवलिंग के ऊपर रखा होता है और एक छड़ी सी चीज आँखों में लगायी होती है,इसको लेकर कई लोगो में विभिन्न भ्रान्तिया है,तो आइये इसे सही से समझते है। ये कहानी है संत कनप्पा की,संत कनप्पा उन 63 नयनार संतों में गिने जाते हैं, जो शिव के उपासक थे, व तीसरी से आठवीं शताब्दी के बीच हुए थे। जबकि अलवार संत विष्णु के उपासक थे। कनप्पा पेशे से शिकारी थे, जो बाद में संत बन गए। उनके भक्त मानते हैं कि वो पिछले जन्म में पांडवों में से एक अर्जुन थे। कनप्पा नयनार के कई नाम चलन में हैं, जैसे थिनप्पन, थिन्नन, धीरा, कन्यन, कन्नन आदि। माता पिता ने उनका नाम थिन्ना रखा था। आंध्र प्रदेश के राजमपेट इलाके में उनका जन्म हुआ था। उनके पिता बड़े शिकारी थे और शिवभक्त थे, शिव के पुत्र कार्तिकेय को पूजते थे। कनप्पा श्रीकलहस्तीश्वरा मंदिर में वायु लिंग की पूजा करते थे, शिकार के दौरान उन्हें ये मंदिर मिला था। पांचवी सदी में बना इस मंदिर का बाहरी हिस्सा 11वीं सदी में राजेन्द्र चोल ने बनवाया था, बाद में विजय नगर साम्राज्य के राजाओं ने उसका जीर्णोद्धार करवाया। लेकिन थिन्ना को पता नहीं था कि शिव भक्ति और पूजा के विधि विधान क्या है। किन नियमों का पालन करना है, लेकिन उनकी श्रद्धा अगाध थी। कहा ये तक जाता है कि वह पास की स्वर्णमुखी नदी से मुंह में पानी भरकर लाते थे और उससे शिवलिंग का जलाभिषेक करते थे, चूंकि शिकारी थे, सो जो भी उन्हें मिलता था, एक हिस्सा शिव को अर्पित कर देते थे. लेकिन शिव अपने इस भक्त की आस्था को

देखकर खुश थे,उनको पता था कि इसे पूजा करनी नहीं आती है, ना मंत्र पता हैं ना किसी तरह के विधि विधान। सैकड़ों सालों से ये कथा कनप्पा के भक्तों में प्रचलित है कि एक दिन महादेव ने उनकी परीक्षा लेने की ठानी और उन्होंने उस मंदिर में उस वक्त भूकंप के झटके दिए, जब मंदिर में बाकी साथियों, भक्तों और पुजारियों के साथ कनप्पा भी मौजूद थे। जैसे ही भूकंप के झटके आए, लगा कि मानो मंदिर की छत गिरने वाली है, तो डर के मारे सभी भाग गए, भागे नहीं तो बस कनप्पा। उन्होंने ये किया कि अपने शरीर से शिव लिंग को पूरी तरह से ढक लिया ताकि कोई पत्थर अगर गिरे तो शिवलिंग के ऊपर ना गिरे बल्कि उनके ऊपर गिरे। इससे वह पूरी तरह सुरक्षित रहा। शिवलिंग पर तीन आंखें बनी हुई थीं। जैसे ही भूकम्प के झटके थोड़ा थमे,कनप्पा ने देखा कि शिवलिंग बनी एक आंख से रक्त और आंसू एक साथ निकल रहे थे। उनकी समझ में आ गया कि किसी पत्थर से शिवजी की एक आंख घायल हो गई है। आव देखा ना ताव, कनप्पा ने फौरन अपनी एक आंख अपने एक वाण से निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी और उसे निकालकर शिवलिंग की आंख पर लगा दिया,जिससे उसमें से खून निकलना बंद हो गया। लेकिन थोड़ी देर बाद ही शिवलिंग की दूसरी आंख से रक्त और आंसुओं का निकलना शुरू हो गया। तब कनप्पा ने जैसे ही दूसरी आंख निकालने की प्रक्रिया शुरू की, उनके दिमाग में आया कि जब मैं अपनी दूसरी आंख भी निकाल लूंगा तो बिलकुल अंधा हो जा जाऊंगा, ऐसे में मुझे कैसे दिखेगा कि उस आंख को शिवलिंग में कैसे लगाना है। ऐसे में उन्हें एक उपाय सूझा, उन्होंने फौरन अपना एक पैर उठाया और पैर का अंगूठा ठीक उस आंख के पास लगा दिया,ताकि अंधा होने के बावजूद वो शिवजी की दूसरी आंख की जगह अपनी आंख लगा सके। उसी वक्त भगवान शिव प्रकट हुए और उससे खुश होकर उसकी आंखें एकदम ठीक कर दीं। यही वो घटना थी, जिसके चलते थिन्ना को नया नाम कनप्पा मिला था। इसी मौके की वो तस्वीर या मूर्तियां हैं, कि कैसे वह एक हाथ में वाण से आंख निकालेंगे, दूसरे हाथ से उसे पकड़ेंगे तो जहां से आंख निकालनी है, उस जगह को कैसे चिन्हित करेंगे, तो पैर का अंगूठा उस मासूम भक्त ने शिवलिंग पर रखा. बस तभी से संत कनप्पा की भक्ति को दिखाने के लिए यह मूर्ति उकेरी गयी है ताकि लोग भक्ति का वास्तविक अर्थ समझ सके।

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
जिला बिलासपुर हि प्र

यू टर्न

जब देखो आजकल लोग यू टर्न लेते हैं मार
अपने कंधों से जिम्मेवारी एकदम देते हैं उतार
सोचता रह जाता है कोई कि यह क्या हो गया
झूठ बोलते है फिर मुकर जाते हैं लेते है पल्ला झाड़

सबसे ज्यादा यू टर्न लेते हैं नेता छोटा हो या बड़ा
कड़वे बचनों का तीर रहता है इनके तरकश में पड़ा
चिकना घड़ा होते हैं इनको परवाह नहीं किसी की
वक्त पड़ने पर होता नहीं किसी के साथ खड़ा

अभी कहते हैं कुछ थोड़ी देर में हैं मुकर जाते
जुबान इनकी चलती है दोष मीडिया पर हैं मढ़ आते
आका को खुश करने से बिल्कुल नहीं हैं घबराते
असर इन पर कोई नहीं चिकने घड़े हैं बन जाते

सड़क पर जब आगे हैं निकल जाते
तब यू टर्न लेकर फिर हैं लौट आते
यू टर्न लेना भी कई बार होता है जरूरी
वरना अपनी मंजिल तक कभी नहीं पहुंच पाते

बॉस अपने मातहत से करवाता है बहुत काम
न करे तो फिर फंस जाती है आफत में जान
लिखित में होता नहीं धौंस से है करवाता
उसकी यू टर्न से फंस जाता है कोई,
आता नहीं उसका नाम

महिला दिवस : फलक पर उभरे सवालों से समाधान की राह

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा (उ.प्र.)

पूरे विश्व में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के अतिरेक के साथ मनाया गया। जागरूक,संवेदनशील एवं सह-अस्तित्व के पावन भाव से पूर्ण मन लिए नागरिकों ने अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। महिला अधिकार एवं संरक्षण के आकर्षक आदर्श व्याख्यायित किए गए। मंचों पर स्त्री शक्ति शोभायमान हुई। उन्हें महिमा मंडित कर समाज के विकास की धुरी सिद्ध किया किया गया। इसके साथ ही समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में महिलाओं की प्रगति,उपलब्धि एवं योगदान को रेखांकित कर उनकी गौरव गाथा उच्च स्वर में गाई गई। विशेष उपलब्धियों को हासिल करने वाली तमाम महिलाओं को विभिन्न संस्थाओं,विभागों और राज्य एवं केन्द्र सरकारों द्वारा सम्मानित भी किया गया। नारी के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का ऐसा चमकदार वितान ताना गया कि सहसा ऐसा लगा कि पूरा परिदृश्य महिलाओं के मान-सम्मान,उनकी अस्मिता एवं अस्तित्व को स्वीकार कर तमाम लैंगिक विभेदों से परे अब कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए साथ-साथ आगे बढ़ने को न केवल व्याकुल है अपितु मन,वचन एवं कर्म से सहर्ष तैयार भी। लेकिन इस सुबह की भी शाम होनी ही थी और हुई भी। महिला दिवस,दिन बीतते-बीतते तमाम सवाल परिदृश्य में छोड़कर उत्तर पाने के लिए अगले वर्ष तक के लिए प्रतीक्षारत हो मौन हो गया। वह कौन से सवाल हैं जो पहले भी सामाजिक फलक पर उभरते रहे हैं और शायद कल भी उठते रहेंगे। स्मरणीय रहे,सवालों की आंच कभी मंद नहीं होगी जब तक कि सम्यक् जवाब जीवन के पृष्ठों पर मुस्कुराने न लगें।

पिछले 30-35 सालों के अपने सामाजिक एवं लेखकीय जीवन के अनुभव के आधार पर देखता हूं कि स्त्री विमर्श पर कोरे संवाद के अलावा हम ऐसा कोई बहुत बड़ा परिवर्तन नहीं कर पाए हैं कि उस दृढ धरातल पर महिला अधिकारों की छांव तले महिलाएं अपने वजूद का भव्य भवन निर्मित कर सकें। आज भी फलक पर उभरा धुंधला चित्र अंधेरों से जूझता प्रकाश की एक रेख ताक रहा है। आज जब हम देश-दुनिया में विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष स्तर पर महिलाओं को परचम लहराते हुए देखते हैं तो लगता है कि जैसे आधी आबादी ने अपना हक पा लिया है। महिला दिवस मना कर बुके और शाल ओढ़ाकर,उसके हाथों में प्रशस्ति पत्र अर्पित कर हम अपने कर्तव्य की पूर्ति कर अपनी पींठ स्वयं थपथपा रहे हैं। लेकिन यह स्त्री जीवन का एक पहलू है जहां थोड़ी सी उजास-ऊष्मा है, थोड़ी सी काम करने की जगह और आजादी है और है थोड़ा सा स्वीकृति का भाव। लेकिन दूसरा पहलू वेदना,पीड़ा और कसक-आक्रोश से भरा हुआ है। जहां आंसू हैं,बेबसी है और पल-पल अपमान-तिरस्कार।

इस घुटन,शोषण,हिंसा,अमानवीय व्यवहार एवं अस्वीकृति के भाव में एक स्त्री का अस्तित्व हजार टुकड़े होकर रोज बिखरता है। वह मर्यादाओं और परम्पराओं के पाटों में पिसती खून के आंसू पीने को मजबूर है। हमने कभी यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवताः श्लोक बांचकर उसे साधना-आराधना की देवी का दर्जा देकर पूज्या बना दिया,पर वही देवी घर-घर में प्रताड़ित है,हिंसा का शिकार है जिसके ओंठ सिल दिए गए हैं। इन बंद लबों से अभिव्यक्ति का अनवरत निर्मल शीतल प्रवाह सरिता बनकर कब बहेगा,समय क्षितिज पर अवस्थित हो चुपचाप सब देख रहा है। सुबह से शाम तक चूल्हे चौके में घुटती स्त्री अपना हक किससे और कैसे मांगे। संविधान ने उसे कानूनी तौर पर सक्षम-समर्थ बनाने के उपाय तो कर दिए पर उन कानूनों को धरातल पर उतारने और अमलीजामा पहनाने का कार्य कौन करेगा।

युद्ध की अमानवीय विभीषिका...विजय की होड़ में मानवता दांव पर

डॉ मुश्ताक़ अहमद शाह

मानव इतिहास के सबसे गहन और पीड़ादायक अध्यायों में से एक है,युद्ध की भयावहता,जहां हिंसा के नाम पर न केवल जीवन नष्ट होते हैं, बल्कि पूरी सभ्यता के मूल्य धूल में मिल जाते हैं। यह कोई विजयी परेड नहीं,बल्कि एक ऐसा भयानक तांडव है जो परिवारों को चूर-चूर कर देता है,सपनों को राख में बदल देता है और आने वाली पीढ़ियों को अनंत कष्टों का उपहार थमा देता है। जब हम युद्ध के चश्मे से हटकर देखते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि यह कभी समाधान नहीं लाता,बल्कि केवल विनाश की सतत् श्रृंखला को जन्म देता है। द्वितीय विश्व युद्ध की भयावहता हो या हाल के संघर्ष या विवाद,जो युद्ध में परिणित हो चुके हैं,जिससे हर बार नागरिक जीवन सबसे अधिक प्रभावित होता है,जहां निर्दोष बच्चे अनाथ हो जाते हैं,मां-बाप अपनों को खोकर खोखले हो जाते हैं,और महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों की कोई सीमा नहीं रह जाती। सुरक्षा का नामोनिशान मिट जाता है,लाखों की संख्या में लोग बेघर होकर सीमाओं पर भटकते रहते हैं,अपने घर-गांव को पीछे छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस विभीषिका का एक और भयानक रूप स्वास्थ्य और भुखमरी का संकट है,जो युद्ध के दौरान मानवीय सहनशक्ति की सारी सीमाओं को तोड़ देता है।

दवाओं की भारी कमी से घाव सड़ते रहते हैं, संक्रमण फैलता है और अस्पताल ध्वस्त हो जाने से मरने वालों की संख्या आसमान छूने लगती है। भोजन अभाव कुपोषण को जन्म देता है, खासकर बच्चे जो कमज़ोर पड़कर भविष्य की नींव ही हिल जाते हैं, जबकि महामारियां अनियंत्रित होकर जनसंख्या को निगल लेती हैं। कानूनी उल्लंघनों की यह लंबी श्रृंखला और भी चिंताजनक है,जहां अंतरराष्ट्रीय नियमों को ठेंगा दिखाया जाता है। नागरिकों की सुरक्षा भूलकर स्कूल, धार्मिक स्थल,अस्पताल निशाने पर आ जाते हैं, जो युद्ध अपराधों के रूप में सिद्ध होते हैं। विजय की होड़ में मानवता दांव पर लग जाती है, और विजेता भी अंततः एक खोखली जीत के साथ रह जाता है।तकनीकी युद्ध ने इस अमानवीयता को नई जटिलता प्रदान कर दी है, जहां ड्रोन आसमान से बिना भेदभाव के मौत बरसाते हैं,साइबर हमले बुनियादी सुविधाओं जैसे बिजली, पानी और संचार को ठप कर देते हैं,तथा सटीक मिसाइलें शहरों को गिनाती चली जाती हैं। सटीकता का दावा झूठा साबित होता है, क्योंकि अधिकांश हताहत निर्दोष नागरिक ही होते हैं। आर्थिक विनाश तो और भी विस्तृत है, महंगाई आसमान छूती है,गरीबी दोगुनी हो जाती है, तेल और खाद्य संकट व्यापार को ठहरा देते हैं। पर्यावरणीय तबाही के रूप में जंगल जलाए जाते हैं,नदियां ज़हरीली हो जाती हैं, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक धीमी मौत का कारण बनती हैं। दीर्घकालिक मानसिक आघात इसकी सबसे गहरी क्षति है, जहां पीढ़ियां आघातग्रस्त हो जाती हैं, शिक्षा रुक जाती है,मानसिक रोगों के साथ महामारी फैल जाती है, और समाज के ताने-बाने टूटकर बिखर जाते हैं। आंकड़े चीख-चीखकर बताते हैं कि 90% हताहत नागरिक ही होते हैं, जो युद्ध के काले सत्य को उजागर करते हैं। फ़िर भी,इस अंधकार में शांति के व्यावहारिक उपाय संभव हैं और इन्हें अपनाना अनिवार्य है। कूटनीति को प्राथमिकता देकर बातचीत को अनिवार्य बनाना चाहिए,जहां मानवीय सहायता जैसे खाना,आश्रय और चिकित्सा तुरंत पहुंचे।

शिक्षा के माध्यम से शांति संस्कृति को बढ़ावा देना होगा,हिंसा के त्याग को सामाजिक मूल्य बनाना होगा,तथा वैश्विक एकता से युद्ध अपराधों को कड़ी सजा सुनिश्चित करनी होगी। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों को मज़बूत करके संघर्षों का पूर्वानुमान और निवारण संभव है। अंततः युद्ध विभीषिका है, मानवता का अपमान इसे रोकने का एकमात्र मार्ग शांति चुनना है, क्योंकि जीवन ही सच्ची विजय है। यह चेतना ही हमें विनाश के चक्र से मुक्त कर सकती है। सोचिए विचार कीजिए ।

हुई करोड़ों ऑंखें झर-झर 'आनंद' खुशियों से नम, जीता भारत ने टी 20 वर्ल्ड कप यारा अपने दम

मोनिका डागा
'आनंद'

पहाड़ों सी जटिल मुश्किलों को किया चकनाचूर,
राह के नुकीले कॉटों को पूर्ण समर्पण से किया दूर,
विपक्ष की टीम पर एकजुट हो शिकंजा तगड़ा कसा,
खिलाड़ी उतरे सत्य संकल्पित लक्ष्य नजरों में बसा,
कप्तान के निर्देशों पर बढ़ाया जीत की ओर कदम ।

रचा ये स्वर्णिम इतिहास चूमकर मातृभूमि का माथा,
टीम स्प्रीट,धैर्य,आत्मविश्वास की बनी खुबसूरत गाथा,
कई रिकार्ड्स बना घर पर ही विजय का झंडा गाड़ा,
टीम ने न्यूज़ीलैंड को 96 रनों के बड़े अंतर से पछाड़ा,
नीली जर्सी ने वूमेंस डे पर नया इतिहास रचा अनुपम ।

सूर्या,संजू,रिंकू,तिलक,बुमराह,हार्दिक,वरुण,ईशान,
दूबे,अक्सर,अभिषेक,अर्शदीप की जीत ये आलीशान,
पूरा विश्व दे रहा भारतीय क्रिकेट टीम को बधाइयॉं,
बॉंटी जा रही गली-मुहल्ले आधी रात को मिठाइयॉं,
अशेष आशीर्वाद, दुआओं की लगी झड़ी झमा-झम ।

हुई करोड़ों ऑंखें झर-झर 'आनंद' खुशियों से नम,
जीता भारत ने टी 20 वर्ल्ड कप यारा अपने दम ।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अम्बिकापुर न्यायालय में महिला अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान, सशक्तिकरण पर हुई कार्यशाला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छत्तीसगढ़) में सोमवार को एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, यह कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय अम्बिकापुर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया,जिसमें न्यायालय में कार्यरत महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों का सम्मान किया गया और महिला सशक्तिकरण विषय पर कार्यशाला भी आयोजित की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता के.एल. चरयाणी, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अम्बिकापुर द्वारा की गई,इस अवसर पर उन्होंने न्यायपालिका तथा समाज में महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए सभी महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं, उन्होंने कहा कि न्यायिक व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनका योगदान प्रेरणादायक है,कार्यक्रम के दौरान न्यायालय में कार्यरत महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों को सम्मान प्रतीक भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी ने महिला शक्ति के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला।

'गिव टू गेन' थीम पर आधारित रहा महिला दिवस-वर्ष 2026 के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम गिव टू गेन रही,जिसका अर्थ है–एक-दूसरे का सहयोग कर समाज में लैंगिक समानता की दिशा में आगे बढ़ना, इस थीम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि जब समाज में सहयोग और सहभागिता बढ़ती है, तब महिलाओं को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिलते हैं और समतामूलक समाज की स्थापना संभव होती है।

महिला सशक्तिकरण पर आयोजित हुई कार्यशाला-कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण विषय पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया,कार्यशाला में उपस्थित न्यायिक अधिकारियों द्वारा महिलाओं से संबंधित विभिन्न कानूनी अधिकारों और प्रावधानों की जानकारी दी गई,इस दौरान महिलाओं को यह भी बताया गया कि कानून उनके अधिकारों की रक्षा के लिए किस प्रकार कार्य करता है और जरूरत पड़ने पर वे न्यायिक व्यवस्था की मदद किस प्रकार प्राप्त कर सकती हैं।

कई न्यायिक अधिकारी रहे उपस्थित- इस अवसर पर न्यायपालिका से जुड़े कई वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, कार्यक्रम में सुरेश जून, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, आनंद राम ढिडही, अध्यक्ष स्थायी लोक अदालत, अतुल श्रीवास्तव, विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज), ममता पटेल, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, कमलेश जगदल्ला, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एफ.टी.एस.सी. पॉक्सो) सहित अनेक न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे, इसके अतिरिक्त सुश्री स्मिता रत्नावत, पंचम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, मुकेश कुमार तिवारी, तृतीय जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, महेश कुमार राज, सप्तम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, मनीष कुमार दुबे, चतुर्थ जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, सुश्री चित्रलेखा सोनवानी, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एफ.टी.सी.), जनक कुमार हिडको, षष्ठम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तथा पल्लव रघुवंशी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिला सरगुजा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे, कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, तृतीय श्रेणी कर्मचारी संघ की अध्यक्ष श्रीमति रहबरी खानम रिजवी, श्रीमति सीमा श्रीवास्तव, श्रीमति अन्नपूर्णा राजवाड़े तथा व्यवहार न्यायालय सीतापुर से श्रीमति कुसुम भगत, श्रीमति दुर्गावती सहित अन्य कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

महिलाओं के योगदान को किया गया सम्मानित- कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने महिला सशक्तिकरण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और यह संकल्प लिया कि समाज में महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे, इस अवसर पर न्यायालय परिसर में सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण देखने को मिला, जहाँ महिलाओं के योगदान को सम्मानित करते हुए उनके अधिकारों और सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया।

घरेलू गैस की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ महिला कांग्रेस ने कैंडल मार्च निकालकर किया प्रदर्शन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

घरेलू गैस की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के निर्देश पर रविवार को सरगुजा जिला महिला कांग्रेस ने कैंडिल मार्च निकाल विरोध प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ राज्य में महिला कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन का संयोजन महिला कांग्रेस की जनरल सेक्रेटरी सुश्री गुंजन सिंह एवं सचिव सुमिता मिश्रा के द्वारा किया जा रहा है। सरगुजा जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में महिला कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राजीव भवन से कैंडिल मार्च निकाला अपना विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सीमा सोनी ने कहा कि विगत 3 माह के दौरान गैस की कीमतों में 110 रुपए का इज़ाफ़ा हुआ है। चरम बेरोजगारी और आमदनी के कमी के इस दौर में यह वृद्धि सरकार की असंवेदनशीलता को प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि एप्सटीन फाइल में फंसे पेट्रोलियम मंत्री हरदीपसिंह पूरी ने मोदी जी व्यावसायिक मित्रों को लाभान्वित करने के लिए पूरे देश को महंगाई की आग में झोंक दिया है। उन्हें न केवल कीमतों में वृद्धि को वापस लेना चाहिए साथ ही साथ कीमतों को कम कर आमजन को राहत देना चाहिए। इस दौरान महिला कांग्रेस के गीता प्रजापति, समा परवीन, रूही गजाला, नुजहत फातिमा, मेघा खांडेकर, ममता सिंह, मधु दीक्षित, पूर्णिमा सिंह, शिप्रा शर्मा, संगीता मिज, रश्मि सोनी, सपना सिन्हा, अनीमा करकेटा, प्रतिमा सोनी, रूबी जैन, रत्नप्रिया पांडे, हीरो बड़ा, अनुराधा सिंह, अनीता रजक, शालिनी नन्द, निर्मला केहरि, मंजू मुखर्जी, सोभा शर्मा, सरला रॉय, अंजू, जे कुजूर, निमन राशि एक्का, पूर्णिमा सिंह, मालती सिंह, अनीता सिन्हा, प्रीति सिंह, प्रतिमा सोनी, हमीदा, सकीला, गीता श्रीवास्तव निशात अंजुम, संजू गुप्ता, साधना कश्यप, समसाद बेगम, सरोज मिज आदि कार्यकर्ताओं ने कैंडिल मार्च में मौजूद रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान का विरोध,ममता बनर्जी के पुतले का दहन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

भाजपा सरगुजा अनुसूचित जनजाति मोर्चा एवं आदिवासी समाज के लोगों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान करने का आरोप लगाते हुए स्थानीय घड़ी चौक पर ममता बनर्जी का पुतला दहन कर विरोध जताया। अजजा मोर्चा भाजपा सरगुजा के जिलाध्यक्ष बिंदेश्वरी पैकरा के नेतृत्व एवं भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष की उपस्थिति में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता,पदाधिकारी एवं जनजाति समाज के लोग घड़ी चौक पहुंचे,जहां उन्होंने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने कहा कि बंगाल की ममता सरकार ने राष्ट्रपति और आदिवासी समाज को अपमानित करने की सारी हदें पार कर दी, उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का अपमान करके ममता बनर्जी ने राजनैतिक मर्यादाओं को तार तार कर दिया है जिसकी हम घोर निंदा करते हैं। अजजा मोर्चा जिला अध्यक्ष बिंदेश्वरी पैकरा ने कहा कि राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल दौरे पर थीं। ममता बनर्जी की टीएमसी सरकार ने प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हुए कार्यक्रम के लिए स्थान एवं सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की। राष्ट्रपति मुर्मू को रिसीव करने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नहीं गईं और प्रशासन को भी इसमें शामिल होने से रोका गया। राष्ट्रपति के कार्यक्रम में संथाल समाज के लोगों को शामिल होना था, लेकिन ममता सरकार ने उन्हें भी रोका, हमारा आदिवासी समाज ममता सरकार के इस कृत्य का विरोध करता है। महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी की यह घोर लापरवाही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का प्रत्यक्ष अपमान है। एक आदिवासी महिला राष्ट्रपति होने के नाते उनका सम्मान हम सबका सम्मान है। ममता बनर्जी ने न केवल प्रोटोकॉल तोड़ा,बल्कि आदिवासी समाज को भी अपमानित किया। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और ऐसी घटनाओं के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे। पुतला दहन में पूरन टेकाम, निश्चल प्रताप सिंह, रुपेश दुबे, अंकित तिर्की, बंशीधर उरांव, अनिल निराला, कमलेश टोप्पो, रविकांत उरांव, अनिल तिवारी, महेंद्र सिंह, सुशीला मिंज, रजनी बिंद, अवधेश केरकेट्टा, दुर्योधन पैकरा, संजय कुसरो, अर्जुन मुंडा, शिवमंगल सिंह, परमेश नेताम, जितेंद्र कुजूर, बिहारीलाल उरांव, उमेश अग्रवाल, दिनेश शुक्ला, अरविंद गुप्ता, सतीश सिंह, सत्यम सिंह, गोल्डी बिहाड़े, कुणाल सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

रायपुर,रांची और वाराणसी के लिए नियमित हवाई सेवा की मांग
कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने दरिमा एयरपोर्ट निदेशक को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

रायपुर,रांची और वाराणसी तक नियमित वायुसेवा की मांग को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी ने माँ महामाया एयरपोर्ट दरिमा के निदेशक को ज्ञापन सौंपा है। करीब 1 माह पूर्व भी जिला कांग्रेस के एक दल ने एयरपोर्ट के निदेशक से मुलाकात कर ठप पड़ी विमान सेवा को प्रारंभ करने की मांग की थी। कांग्रेस महामंत्री आलोक सिंह के नेतृत्व में आज दरिमा गये इस दल ने रायपुर,रांची और वाराणसी के लिये नियमित विमानसेवा पर चर्चा की। दल ने यह तर्क रखा कि ये तीनो शहर प्रशासनिक कार्य, स्वास्थ्य सेवा, सांस्कृतिक गतिविधियों और पर्यटन की दृष्टि से महत्व रखते हैं। अम्बिकापुर से प्रतिदिन हजारों लोग इन शहरों की ओर जाते हैं। इन शहरों के लिए कोई सीधी द्रुतगति रेलसेवा भी उपलब्ध नहीं है। वाराणसी और रांची के लिए भविष्य में रेलमार्ग की भी कोई संभावना नहीं है। जबकि हवाई मार्ग के माध्यम से यात्रा के लिए आधारभूत ढांचा मौजूद है। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व कर रहे आलोक सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हवाई चप्पल वालों को भी हवाई सेवा का आश्वासन दिया था। सरगुजा जिले की गरीब जनता को यकीन है कि प्रधानमंत्री का यह वायदा मात्र प्रलोभन नहीं रहेगा और इसे यथार्थ में उतारा जायेगा। प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात के बाद एयरपोर्ट निदेशक ने मांगो को शीर्षस्थ अधिकारियों को प्रेषित कर इस दिशा में पहल का आश्वासन दिया है। इस दौरान रजनीश सिंह, उत्तम राजवाड़े, नीतीश चौरसिया, विकल झा, हिमांशु जायसवाल, आशीष जायसवाल, सुरेंद्र गुप्ता, अंकित जायसवाल, ऋषभ जायसवाल, जयपाल, रवि, उमाशंकर, नरेंद्र गुप्ता, नीलेश कश्यप, कुशल अग्रवाल, गौतम गुप्ता, आकाश यादव, अभिषेक सोनी, अतुल यादव, अनमोल गोस्वामी, अभिनव काशी, लोलार सिंह, आयुष गुप्ता, सत्यम यादव, प्रियांशु जायसवाल, प्रिंस आदि मौजूद थे।

गुम बालक को चंद घंटे के भीतर पुलिस टीम द्वारा किया गया बरामद

घर से बिना बताये निकल जाने एवं घर का पता नहीं बता पाने के कारण गुम हुआ था नाबालिग बालक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

प्रार्थिया द्वारा दिनांक 08/03/26 को थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि प्रार्थिया का बड़ा लड़का आज दिनांक को अपने नानी के साथ घर मे था,उसी समय नाबालिग बालक बिना किसी को बताये घर से निकल कर कही चल गया है, जो नाबालिग लड़के का आस पड़ोस पत्ता तलाश किया गया जो पत्ता नहीं चला, प्रार्थिया द्वारा किसी अज्ञात व्यलती द्वारा नाबालिग बालिग़ को बहला फुसला कर ले जाने की शिकायत दर्ज कराने पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 133/26 धारा 137(2) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। मामले को संज्ञान मे लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा पुलिस टीम को मामले मे त्वरित कार्यवाही कर गुम नाबालिग को दस्तायाब करने के दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम के थाना गांधीनगर पुलिस टीम एवं डायल 112 की टीम को मामले की इवेंट प्राप्त होने पर नाबालिग बालक का संवेदनशीलता के साथ पत्ता तलाश किया जा रहा था, जो संयुक्त टीम के प्रयास से नाबालिग को सरगवां सकालो महर्षि विद्या मंदिर स्कूल की ओर से चंद घंटे के भीतर सकुशल बरामद किया गया, पुलिस टीम द्वारा नाबालिग बालक को बरामद करते हुए परिजनों को सकुशल सौपा गया नाबालिग बालक से पूछताछ किये जाने पर अपने मन से घर से निकल कर चले जाना एवं इस दौरान किसी प्रकार की घटना होना नहीं बताया है, सरगुजा पुलिस की त्वरित कार्यवाही हेतु परिजनों ने पुलिस टीम का आभार प्रकट किया है।

मारपीट के मामले में युवक गिरफ्तार
पड़ोसी से विवाद के बाद हमला,आरोपी के पास से कैंची बरामद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने मारपीट के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कैंची भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार मिशन चौक निवासी आरती रजक ने 8 मार्च को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि 4 मार्च की शाम पड़ोस में रहने वाला जय रजक घर के सामने मोटरसाइकिल खड़ी कर बार-बार एक्सीलेटर और हॉर्न बजा रहा था, जिससे घर के लोग परेशान हो रहे थे और छोटा बच्चा बार-बार जाग जा रहा था। परिवार के सदस्य ने जब उसे ऐसा करने से मना किया तो आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और धारदार वस्तु से कान में चोट पहुंचा दी। बीच-बचाव करने आए अन्य लोगों के साथ भी मारपीट की गई। शिकायत में यह भी बताया गया कि बाद में आरोपी घर में घुसकर भी गाली-गलौज और धमकी देता रहा। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। तलाश के दौरान आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई,जिसमें उसने घटना करना स्वीकार किया। पुलिस ने उसके पास से घटना में प्रयुक्त कैंची जब्त कर ली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी शशिकांत सिन्हा सहित पुलिस टीम की भूमिका रही।

पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई,आरोपी को तीन माह के लिए जेल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार में संलिप्त एक आदतन अपराधी के खिलाफ पुलिस ने पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी प्रदीप गाईन उर्फ मदन गाईन (47) निवासी सुभाषनगर, गांधीनगर क्षेत्र का रहने वाला है। उसके खिलाफ पूर्व में नकबजनी, आर्म्स एक्ट, मारपीट, धोखाधड़ी और एनडीपीएस एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। बताया गया कि आरोपी जमानत पर छूटने के बाद भी नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी में लगातार सक्रिय था। इस पर पुलिस ने डिटेंशन की कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन तैयार कर सरगुजा संभागायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया था। विचार के बाद सक्षम प्राधिकारी ने आरोपी को तीन माह के लिए जेल में निरुद्ध करने का आदेश दिया। आदेश के बाद उसे अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया गया।

सरगुजा संभाग के 6 जिलों के 101 प्रकरणों की महा जन-सुनवाई, 30 प्रकरण नस्तीबद्ध
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अंबिकापुर में आयोजित हुई राज्य महिला आयोग की विशेष सुनवाई...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक के नेतृत्व में महिलाओं को त्वरित राहत प्रदान करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सरगुजा संभाग के लिए महा जन-सुनवाई का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष, अंबिकापुर में किया गया। यह सुनवाई सरगुजा संभाग में आयोजित महा जन-सुनवाई के साथ ही प्रदेश स्तर की 371वीं तथा जिला स्तर की 10वीं सुनवाई रही। महा जन-सुनवाई में सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले जिलों सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं जशपुर के कुल 101 प्रकरणों की एक साथ सुनवाई की गई। इनमें से 30 प्रकरणों का निराकरण करते हुए उन्हें नस्तीबद्ध किया गया, जबकि अन्य प्रकरणों में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। जिला-वार प्राप्त प्रकरणों में सरगुजा जिले के 35 में से 05 प्रकरण, जशपुर के 18 में से 09 प्रकरण, सूरजपुर के 18 में से 10 प्रकरण, बलरामपुर के 06 में से 02 प्रकरण, कोरिया के 13 में से 03 प्रकरण तथा मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के 11 में से 02 प्रकरण नस्तीबद्ध किए गए। सुनवाई में दोनों पक्षों के कुल 80 पक्षकारों ने पंजीयन कराया, जबकि शेष पक्षकार अनुपस्थित रहे। उनके प्रकरण आगामी सुनवाई के लिए रखे जाएंगे। सुनवाई के दौरान कई मामलों में दोनों पक्षों को सुनकर आवश्यक निर्देश दिए गए। कुछ मामलों में विवाह के समय दिए गए सामान की वापसी, भरण-पोषण, पारिवारिक विवाद, आपसी सहमति से समझौता तथा न्यायालय में लंबित मामलों पर विचार किया गया। एक प्रकरण में विवाह के समय दिए गए सामान की वापसी के लिए सूरजपुर की संरक्षण अधिकारी को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

CMYK

कोरिया में 'नया नियम'? नहर की जमीन पर कब्जे को भी मिल सकती है NOC

पहले बताया अतिक्रमण,अब दे दी अनापत्तिः कोरिया में नहर भूमि विवाद पर बड़ा खुलासा

- कोरिया बना नया उदाहरणःनहर की जमीन पर कब्जे को विभाग की 'हरी झंडी'
- पहले अतिक्रमण हटाने की बात,अब जारी कर दी एनओसी-जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता की भूमिका पर उठे सवाल
- हाईकोर्ट में मामला लंबित,फिर भी जारी हो गई एनओसी - कौन है जिम्मेदार ?
- नहर की सरकारी जमीन पर कब्जा और अनापत्ति प्रमाण पत्र ! कोरिया में नियमों को खुली चुनौती

नहर की जमीन पर एनओसी! कोरिया में नियमों को ठेंगा,जल अधिनियम पर बड़ा सवाल

अतिक्रमण हटाने की जगह मिला प्रमाण पत्र! जल संसाधन विभाग की भूमिका पर सवाल

नहर की सरकारी जमीन पर कब्जा और अब अनापत्ति प्रमाण पत्र! प्रशासन कटघरे में...

पहले दो बार कहा अवैध,अब दे दी अनुमति – कोरिया में नहर भूमि विवाद ने उठाए बड़े सवाल

क्या कार्यपालन अभियंता कानून से ऊपर? नहर की जमीन पर एनओसी से मचा हड़कंप...

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में जल संसाधन विभाग से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है,जिसने प्रशासनिक व्यवस्था और नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं,आरोप है कि जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने नहर की शासकीय भूमि पर किए गए एक कथित अवैध अतिक्रमण को ही अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी कर दिया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिस अधिकारी ने लगभग ढाई वर्ष पहले उसी निर्माण को अवैध बताते हुए न केवल अनापत्ति देने से इनकार किया था बल्कि अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासन को पत्र लिखा था,उसी अधिकारी द्वारा अब उसी भूमि पर अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया है। इससे पूरे मामले में कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्राम भांडी में नहर की भूमि पर विवाद

यह पूरा मामला जिला मुख्यालय बैकुंठपुर से लगे ग्राम पंचायत भांडी का बताया जा रहा है, जानकारी के अनुसार पूर्व सरकार के समय एक जनप्रतिनिधि द्वारा नहर की भूमि पर एक समाज विशेष के लिए चबूतरा निर्माण का भूमि पूजन किया गया था, बताया जाता है कि इसके बाद जून के पहले सप्ताह में देर रात नहर की भूमि पर दीवार खड़ी कर वहां एक मूर्ति स्थापित कर दी गई। स्थानीय किसानों ने इसका विरोध करते हुए इसे शासकीय नहर भूमि पर अवैध कब्जा बताया और मामला तहसील न्यायालय तक पहुंच गया।

एसडीएम ने मांगा था विभाग से अभिमत

मामले के सामने आने के बाद तत्कालीन एसडीएम बैकुंठपुर ने जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ए. टोप्पो को पत्र लिखकर अनापत्ति प्रमाण पत्र के संबंध में विभागीय अभिमत मांगा था, दिनांक 12 जून 2023 को कार्यपालन अभियंता द्वारा लिखित रूप से एसडीएम को बताया गया कि उक्त निर्माण सिल्फोडा जलाशय की माइनर नहर की भूमि पर किया गया अतिक्रमण है और इसे किसी भी स्थिति में अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं दिया जा सकता।

राजस्व जांच में भी अतिक्रमण की पुष्टि

एसडीएम बैकुंठपुर ने मामले की जांच के लिए राजस्व निरीक्षक से रिपोर्ट मांगी, राजस्व निरीक्षक द्वारा पंचनामा,नक्शा और खसरा के आधार पर दी गई रिपोर्ट में भी यह स्पष्ट किया गया कि संबंधित भूमि नहर की शासकीय भूमि है और उस पर अतिक्रमण किया गया है, इसके बाद एसडीएम ने मामले को तहसीलदार के पास भेजते हुए आगे की कार्रवाई के निर्देश दिए।

तहसीलदार ने दिया अतिक्रमण हटाने का आदेश- मामले में तहसीलदार बैकुंठपुर ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का प्रकरण दर्ज किया और सभी पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा, इस दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने एक बार फिर लिखित रूप से बताया कि यह नहर की भूमि पर अतिक्रमण है और इसे हटाया जाना चाहिए, लंबी सुनवाई के बाद जून 2024 में तहसीलदार बैकुंठपुर ने निर्णय देते हुए उक्त निर्माण को अवैध अतिक्रमण मानते हुए अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी किया।

अपीलें भी हुईं खारिज

तहसीलदार के आदेश के खिलाफ अतिक्रमणकर्ता ने पहले एसडीएम बैकुंठपुर के समक्ष अपील की, जिसे खारिज कर दिया गया,इसके बाद मामला सरगुजा संभाग के कमिश्नर के पास द्वितीय अपील में पहुंचा, कमिश्नर ने मई 2025 में कुछ दस्तावेजों की कमी बताते हुए मामले को पुनः तहसीलदार को भेज दिया और प्रक्रिया का पालन करते हुए आगे की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मामला पहुंचा हाईकोर्ट

प्रकरण लंबे समय तक लंबित रहने के कारण शिकायतकर्ता कृषक ने उच्च न्यायालय बिलासपुर में अवमानना याचिका भी दायर की है, जो वर्तमान में विचाराधीन है,बताया जाता है कि इससे पहले भी अतिक्रमणकर्ता द्वारा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी,जहां न्यायालय ने अवैध निर्माण को लेकर कड़ी टिप्पणी की थी और जुर्माना लगाने तक की चेतावनी दी थी।

अब जारी हो गया अनापत्ति प्रमाण-पत्र

इन सभी घटनाक्रमों के बीच जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ए. टोप्पो द्वारा उसी भूमि पर अचानक अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया है,अब बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब पहले विभाग स्वयं इस निर्माण को अवैध अतिक्रमण बता चुका है,तो अब उसी भूमि पर एनओसी किस आधार पर जारी की गई।

नियमों का क्या कहते हैं प्रावधान

जल संसाधनों से संबंधित प्राकृतिक या कृत्रिम संरचनाओं जैसे नहर,जलाशय और जल मार्ग की भूमि पर बिना अनुमति किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य करना नियमों के विरुद्ध माना जाता है, ऐसे मामलों में अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ आर्थिक दंड और कारावास का भी प्रावधान है।

स्थानीय लोगों में नाराजगी

इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय किसानों और ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है,उनका कहना है कि प्रशासन जानबूझकर मामले को लंबित रखे हुए है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं कर रहा है,ग्रामीणों का आरोप है कि पहले अतिक्रमण करने वाले लोग पूर्ववर्ती सरकार के करीब थे और अब वर्तमान सरकार में भी प्रभावशाली लोगों की मदद से मामले को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

कई सवाल अब भी अनुत्तरित

- क्या कार्यपालन अभियंता द्वारा पहले जारी किए गए पत्र गलत थे या वर्तमान में जारी की गई एनओसी?
- क्या विभागीय अधिकारी न्यायालय की प्रक्रिया से ऊपर हैं?

आखिर कब तक इस विवाद का समाधान होगा और अतिक्रमण पर कार्रवाई होगी? अब देखना यह होगा कि प्रशासन और संबंधित विभाग इस मामले में क्या कदम उठाते हैं और क्या इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाती है या नहीं।

सूरजपुर के निखिल कुमार साहू ने सीए इंटरमीडिएट परीक्षा पास कर बढ़ाया जिले का मान

-संवाददाता-

सूरजपुर,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

शहर के मेधावी छात्र निखिल कुमार साहू ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी की इंटरमीडिएट परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर सूरजपुर जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, मित्रों और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है, लोगों ने इसे जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताया है, निखिल कुमार साहू सूरजपुर निवासी हैं, उनकी प्रारंभिक शिक्षा ग्लोबल पब्लिक स्कूल, सूरजपुर से हुई, छात्र जीवन से ही वे पढ़ाई में अत्यंत मेधावी और मेहनती रहे हैं, उन्होंने अपनी नियमित पढ़ाई के साथ-साथ चार्टर्ड अकाउंटेंसी जैसी कठिन परीक्षा की तैयारी में लगातार मेहनत की और दृढ़ संकल्प के साथसीए इंटरमीडिएट परीक्षा में सफलता प्राप्त की।

परिवार में शिक्षा का मजबूत माहौल

निखिल कुमार साहू शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं आर.के. रेडियोस के व्यवस्थापक राकेश साहू के सुपुत्र हैं,परिवार में शिक्षा और अनुशासन का विशेष वातावरण रहा है, जिसका प्रभाव निखिल की सफलता में भी दिखाई देता है, उनकी बड़ी बहन नेहा साहू स्वामी आत्मानंद विद्यालय में शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं, जबकि छोटी बहन प्रिया साहू जगदलपुर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही हैं।

युवाओं के लिए प्रेरणा

निखिल की इस सफलता पर परिवारजनों,शिक्षकों और शुभचिंतकों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं, निखिल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता,गुरुजनों और कठिन परिश्रम को दिया है,उन्होंने कहा कि लक्ष्य के प्रति निरंतर मेहनत और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है,उन्होंने बताया कि अब उनका लक्ष्य सीए फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण कर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना है और इसके लिए वे लगातार तैयारी कर रहे हैं, निखिल की इस उपलब्धि से सूरजपुर सहित पूरे क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिली है कि कड़ी मेहनत और लगन से किसी भी बड़े लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

डंडे से पीटकर पत्नी की हत्या,आरोपी फरार

-संवाददाता-

अंबिकापुर,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

विवाद के दौरान डंडे से पीटकर पति ने पत्नी की हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। घटना 7 मार्च की देर रात की बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर आरोपी की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम कुदर झेरी लोंगरी निवासी दशमल उर्फ दशमन कोरवा की पहली पत्नी की मौत हो चुकी थी। करीब एक वर्ष पहले उसने दूसरी शादी प्रियंका से की थी। दोनों पति-पत्नी अलग घर में रहते थे, जबकि उसके माता-पिता और भाई अलग-अलग रहते हैं।बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था।

विश्रामपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई...बैंक सेंधमारी और मोबाइल दुकान चोरी के आरोपी गिरफ्तार

ग्रामीण बैंक में सेंधमारी का प्रयास करने वाला आरोपी पकड़ा,गैरेज से चोरी किए 1 लाख के सामान भी बरामद

-संवाददाता-

सूरजपुर,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जिले में चोरी और सेंधमारी की घटनाओं के खुलासे में विश्रामपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है, पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए ग्रामीण बैंक कुम्दा में सेंधमारी का प्रयास करने वाले एक आरोपी तथा मोबाइल दुकान में सेंधमारी कर मोबाइल चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी का माल भी बरामद किया है।

ग्रामीण बैंक कुम्दा में सेंधमारी का प्रयास-ग्रामीण बैंक कुम्दा के शाखा प्रबंधक धीरेन्द्र मौर्य ने 5 मार्च 2026 को थाना विश्रामपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 3 मार्च की शाम बैंक बंद कर घर चले गए थे और 4 मार्च को होली अवकाश था, 5 मार्च की सुबह बैंक के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी नामिक दास ने बैंक खोलने पर देखा कि बैंक के पीछे वॉल्ट रूम की दीवार में सेंध लगी हुई है। सूचना मिलने पर बैंक प्रबंधन ने अंदर जाकर देखा तो लॉकर का हैंडल टूटा हुआ था और सीसीटीवी कैमरे का तार काटा गया था, रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 331(4), 305(ए), 324(4), 62 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज से आरोपी तक पहुंची पुलिस-मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी एवं एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने अज्ञात आरोपी को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज की जांच की और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कुम्दा कॉलोनी से संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ लिया, पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राजेन्द्र चतुर्वेदी (45 वर्ष), निवासी भटलु थाना बिछिया जिला रीवा (मध्यप्रदेश), वर्तमान निवासी कुम्दा कॉलोनी बताया।

आरोपी ने कबूल किया अपराध-पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने 5 मार्च की रात करीब 1 बजे से 2:30 बजे के बीच बैंक में सेंधमारी का प्रयास किया, वह बैंक की छत के रास्ते आंगन में कूदकर अंदर पहुंचा, सीसीटीवी कैमरे का तार काटा और सब्बल से दीवार तोड़कर तिजोरी खोलने का प्रयास किया, हालांकि तिजोरी नहीं खुली और उसका हैंडल टूट गया,जिसके बाद आरोपी वहां से फोटो लेकर फरार हो गया,पूछताछ में आरोपी ने 4 मार्च की रात नरेश के गैरेज का ताला तोड़कर करीब 1 लाख रुपये कीमत के 36 सामान चोरी करने की बात भी कबूल की,पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी का सामान और घटना में प्रयुक्त सब्बल बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

मोबाइल दुकान सेंधमारी मामले का भी खुलासा-इसी तरह एक अन्य मामले में श्रीराम मोबाइल शॉप विश्रामपुर में सेंधमारी कर मोबाइल चोरी करने वाले दो आरोपियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, दुकान संचालक अमित सिंह ने 1 मार्च 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 27 फरवरी की रात दुकान बंद करने के बाद अगले दिन सुबह दुकान खोलने पर देखा कि पीछे की दीवार में सेंध लगाकर 17 नए मोबाइल और रिपेयरिंग के लिए आए 10 पुराने मोबाइल चोरी कर लिए गए हैं, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

2 लाख 70 हजार के मोबाइल बरामद

8 मार्च को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि अभिषेक गुप्ता उर्फ गोलू और विमल उर्फ नान बाउ चोरी के मोबाइल बेचने की फिराक में घूम रहे हैं,पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को पकड़कर पूछताछ की,जिसमें उन्होंने चोरी की घटना कबूल कर ली। आरोपियों ने बताया कि 27 फरवरी की रात गैंता से दुकान की दीवार तोड़कर मोबाइल चोरी किए थे, पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 27 मोबाइल फोन (कुल कीमत लगभग 2 लाख 70 हजार रुपये) और घटना में प्रयुक्त गैंता बरामद कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

- अभिषेक गुप्ता उर्फ गोलू (22 वर्ष) निवासी तलवापारा शिवनंदनपुर
- विमल उर्फ नान बाउ (21 वर्ष) निवासी तलवापारा शिवनंदनपुर के रूप में हुई है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

दोनों मामलों के खुलासे में थाना प्रभारी विश्रामपुर प्रकाश राठौर, एएसआई विशाल मिश्रा, गुड्डू कुशवाहा,प्रधान आरक्षक जयप्रकाश तिवारी,नवीन सिंह,सोहर लाल पावले,आरक्षक अखिलेश पाण्डेय,शिवकुमार राजवाड़े,खेलसाय राजवाड़े, कुंदन सिंह,उमेश राजवाड़े, मनोज शर्मा,दिलपाल कसेरा,महिला आरक्षक प्रमिला कुजूर सहित साइबर सेल की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई,पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में चोरी और आपराधिक गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी।

गड्‌ढे बने,फोटो खिंचे,अवार्ड मिले... फिर भी प्यासा रह जाए कोरिया?

- सोखता गड्‌ढों से भूजल बढ़ेगा या केवल फोटो और फाइलों का वजन?
- कोरिया का 5 प्रतिशत मॉडलः जल संकट का समाधान या अवार्ड-रिकॉर्ड की नई कहानी?
- कोरिया का 5 प्रतिशत मॉडलः भूजल बचाने की पहल या अवार्ड-रिकॉर्ड का नया अभियान?
- सोख्ता या शोखता? एक घंटे में रिकॉर्ड गड्‌ढों,साल भर में सब गायब
- जल संरक्षण या आंकड़ों का खेलः कोरिया के 5 प्रतिशत मॉडल पर उठते सवाल
- भूजल बचाने की योजना या उपलब्धि की होड़? कोरिया मॉडल पर संशय

कागजों में जल संरक्षण,जमीन पर सूखे सोख्ता,अवार्ड की चमक में छुप गया पानी का सच

-रवि सिंह-

कोरिया,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)। गर्मी की दस्तक के साथ ही कोरिया जिले में पानी की समस्या एक बार फिर सिर उठाने लगी है,मार्च का महीना शुरू होते-होते ही कई गांवों में हैंडपंप हांफने लगे हैं,तालाबों की तलहटी झांकने लगी है और कुएं ऐसे सूखे दिखाई दे रहे हैं जैसे बरसों से उनमें पानी नहीं आया हो, ग्रामीणों के चेहरे पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई देती हैं, क्योंकि हर साल की तरह इस बार भी सवाल वही है-गर्मी कैसे कटेगी और पानी कहां से आएगा?

जिले में भूमिगत जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है,खेतों में बोरवेल की संख्या बढ़ती जा रही है और जमीन के भीतर का पानी बिना किसी हिसाब-किताब के खींचा जा रहा है, दूसरी ओर जल संचयन के ठोस उपायों की स्थिति ऐसी है कि कागजों में योजनाओं की भरमार है, लेकिन धरातल पर पानी की एक-एक बूंद के लिए संघर्ष जारी है, इसी पृष्ठभूमि में जिला प्रशासन ने भूजल स्तर बढ़ाने के लिए 5 प्रतिशत कोरिया मॉडल नाम की एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है, सुनने में योजना जितनी आकर्षक लगती है, जमीन पर उसकी तस्वीर उतनी ही सवालों से घिरी हुई दिखाई दे रही है।

मनरेगा की डबरियों पर भी सवाल

मनरेगा योजना के तहत गांव-गांव में डबरियों का निर्माण किया गया था,जिनका उद्देश्य भी जल संचय था। लेकिन कई जगहों पर ये डबरियां बरसात के कुछ समय बाद ही सूख जाती हैं, ग्रामीणों का कहना है कि यदि बड़ी डबरियां ही जल संचय में प्रभावी साबित नहीं हो पाई, तो छोटे-छोटे सोखता गड्ढों से बहुत अधिक उम्मीद करना भी व्यावहारिक नहीं लगता।

किसान जमीन देने को तैयार नहीं

5 प्रतिशत मॉडल के क्रियान्वयन में एक और बड़ी समस्या सामने आ रही है, कई किसान अपनी कृषि भूमि का हिस्सा सोखता निर्माण के लिए देने को तैयार नहीं हैं,उनका कहना है कि इससे उनकी खेती योग्य जमीन कम हो जाएगी और आर्थिक नुकसान होगा। साथ ही उन्हें यह भी संदेह है कि यह गड्ढे लंबे समय तक टिक नहीं पाएंगे।

दुर्घटनाओं की आशंका

कुछ गांवों में आबादी के पास बनाए जा रहे खुले गड्ढों को लेकर भी चिंता जताई जा रही है,यदि बारिश में इनमें पानी भर जाता है और कोई बच्चा या पशु इनमें गिर जाता है,तो दुर्घटना की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता,ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि कोई हादसा होता है,तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी।

पंचायतों पर टारगेट का दबाव

पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि इस योजना को लागू करने के लिए टारगेट पूरा करने का दबाव बनाया जा रहा है, उनका कहना है कि पहले लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए या फिर जनसहयोग लिया जाना चाहिए, और उसके बाद योजना लागू की जानी चाहिए, लेकिन फिलहाल स्थिति ऐसी है कि पहले गड्ढा खोदो,बाद में सोचो।

तालाब और कुएं-जिनकी याद अब इतिहास बनती जा रही...

भूजल संकट की चर्चा करते समय जिले के पुराने तालाब और कुएं याद आते हैं, कभी हर गांव में एक बड़ा तालाब, कई छोटे तालाब और घर-घर में कुएं देखने को मिलते थे, बारिश का पानी इन जल स्रोतों में जमा होता था और धीरे-धीरे जमीन में रिसकर भूजल स्तर को बनाए रखता था, लेकिन विकास की तेज रफ्तार और लापरवाही की धीमी समझ ने इन स्रोतों को लगभग समाप्त कर दिया, कई तालाबों को पाटकर मकान बना दिए गए या उनमें कचरा और मलबा भर गया, कुएं भी अब केवल बुजुर्गों की यादों में बचे हैं, जल संरक्षण के इन पारंपरिक साधनों को बचाने के बजाय नई-नई योजनाओं के प्रयोग किए जा रहे हैं, जिनका परिणाम अक्सर फाइलों में ज्यादा और जमीन पर कम दिखाई देता है।

समाधान क्या है-गड्‌ढों से ज्यादा नीति की जरूरत

विशेषज्ञों का मानना है कि भूजल स्तर बढ़ाने के लिए केवल अभियान चलाना काफी नहीं है, इसके लिए सख्त नीति और दीर्घकालिक योजना की जरूरत है,सबसे प्रभावी उपायों में से एक है वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, इस प्रणाली में घरों और भवनों की छत से बारिश का पानी इकट्ठा किया जाता है, उसे टैंक में जमा किया जाता है या जमीन में रिचार्ज किया जाता है, यदि इसे व्यापक स्तर पर लागू किया जाए तो यह भूजल संरक्षण में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है,विशेषज्ञों का सुझाव है कि सभी सरकारी भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य हो, निजी मकानों की स्वीकृति में इसे जरूरी किया जाए, प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं में भी इसे शामिल किया जाए, इससे बिना खेतों की जमीन छोड़े भी बड़ी मात्रा में पानी जमीन में पहुंचाया जा सकता है।

क्या है 5 प्रतिशत कोरिया मॉडल- खेत का पांच प्रतिशत पानी के नाम

5 प्रतिशत कोरिया मॉडल के तहत किसानों से कहा गया है कि वे अपनी कृषि योग्य भूमि का लगभग पांच प्रतिशत हिस्सा सोख्ता गड्ढों के लिए छोड़ दें,इन गड्ढों का उद्देश्य यह है कि बारिश का पानी खेतों में जमा होने के बजाय जमीन के भीतर समा जाए और धीरे-धीरे भूजल स्तर को बढ़ाए, योजना की अवधारणा बुरी नहीं है,बल्कि यदि इसे वैज्ञानिक तरीके से लागू किया जाए तो यह भूजल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब योजना की गंभीरता धरातल पर पहुंचते-पहुंचते केवल औपचारिकता बन जाती है,कई ग्राम पंचायतों से जो तस्वीरें सामने आई हैं,वे बताती हैं कि खेतों के कोने में जल्दी-जल्दी गड्ढे खोदकर उन्हें सोख्ता घोषित कर दिया गया है,न तो उनकी गहराई तय मानकों के अनुसार है और न ही उनमें बजरी,कंकड़ और रेत की फिल्टर परत डाली गई है,ऐसी स्थिति में यह आशंका जताई जा रही है कि पहली ही बारिश के बाद ये गड्ढे कीचड़ और मलबे से भर जाएंगे और खरीफ की जुताई के साथ ही उनका अस्तित्व मिट जाएगा।

सोख्ता या फोटो खिंचाओ गड्‌ढा?

ग्रामीणों के बीच अब इस योजना को लेकर हल्की-फुल्की चर्चा भी होने लगी है,कुछ लोग मजाक में कह रहे हैं कि यह सोख्ता गड्ढा कम और फोटो खिंचाओ गड्ढा ज्यादा है। दरअसल कई स्थानों पर गड्ढे खोदते समय मुख्य उद्देश्य तकनीकी गुणवत्ता नहीं बल्कि संख्या पूरी करना दिखाई देता है, पंचायतों पर लक्ष्य का दबाव रहता है और लक्ष्य पूरा करने की जल्दी में गड्ढे तो बन जाते हैं, लेकिन उनकी उपयोगिता सवालों में घिर जाती है, किसानों का भी कहना है कि यदि खेत का पांच प्रतिशत हिस्सा स्थायी रूप से छोड़ना है तो इसके लिए मजबूत और टिकाऊ संरचना बननी चाहिए। वरना खेत में गड्ढा बनाकर उसे सोख्ता कह देना पानी बचाने का समाधान नहीं है।

आवा पानी झोंकी-रिकॉर्ड बना,गड्‌ढे गायब

कोरिया जिले में जल संरक्षण के नाम पर इससे पहले भी एक अभियान खूब चर्चा में रहा था-आवा पानी झोंकी। पिछले वर्ष मई महीने में यह अभियान पूरे जिले में बड़े उत्साह के साथ चलाया गया था, प्रशासन ने दावा किया था कि सिर्फ एक घंटे में 650 से अधिक सोख्ता गड्ढे बनाए गए, उस दिन का दृश्य भी कम दिलचस्प नहीं था, अधिकारी फावड़ा लेकर मैदान में थे, जनप्रतिनिधि भी मिट्टी खोदते नजर आए, पंचायत प्रतिनिधि और कर्मचारी भी सक्रिय थे, सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो की बाढ़ आ गई, अखबारों में सुर्खियां बनीं और जिले को इस उपलब्धि के लिए सम्मान भी मिला, कहा गया कि यह जल संरक्षण का ऐतिहासिक अभियान है, लेकिन एक साल भी पूरा नहीं हुआ और हकीकत ने धीरे-धीरे परतें खोलनी शुरू कर दीं, जिले के कई गांवों में जाकर देखा गया तो पाया गया कि 90 प्रतिशत से अधिक सोख्ता गड्ढे अब दिखाई ही नहीं देते, कुछ पूरी तरह भर गए, कुछ समतल हो गए और कुछ खेतों की जुताई में मिट्टी बनकर मिल गए, ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या वह अभियान सचमुच जल संरक्षण के लिए था या रिकॉर्ड बनाने के लिए?

गड्‌ढे बने,फोटो खिंचे,सम्मान मिला...पानी फिर भी नहीं रुका

आलोचकों का कहना है कि उस अभियान में गहराई का ध्यान नहीं रखा गया, वैज्ञानिक तकनीक का उपयोग नहीं हुआ,फिल्टर सामग्री नहीं डाली गई,परिणाम यह हुआ कि गड्ढे कुछ ही महीनों में बेअसर हो गए,हालांकि यह जरूर हुआ कि रिकॉर्ड बुक में जिले का नाम दर्ज हो गया और प्रशस्ति पत्र भी मिल गए,लेकिन भूजल स्तर वहीं का वहीं रहा,अब जब नया 5 प्रतिशत मॉडल शुरू हुआ है तो लोग पूछने लगे हैं-क्या यह भी अगले साल किसी नई रिपोर्ट में उपलब्धि बनकर रह जाएगा?

बोरवेल की अंधाधुंध खुदाई-धरती का जल भंडार खाली

जिले में गिरते भूजल स्तर का एक और बड़ा कारण है बोरवेल की अंधाधुंध खुदाई, नियमों के अनुसार 300 मीटर की दूरी पर ही दूसरा बोरवेल होना चाहिए,लेकिन कई जगह स्थिति ऐसी है कि एक ही इलाके में दर्जनों बोरवेल खड़े मिल जाएंगे, प्रतिबंध के आदेश जरूर जारी होते हैं,लेकिन धरातल पर उनका असर उतना ही दिखाई देता है जितना गर्मी में सूखते तालाबों का पानी,निजी बोरवेल तो खुदाई मशीनें रात-दिन चलाकर बना ही रहे हैं,कई बार शासकीय योजनाओं में भी मानकों की अनदेखी हो जाती है,ऐसे में जमीन के भीतर का जल भंडार धीरे-धीरे खाली होता जा रहा है।

जनभागीदारी के बिना नहीं बचेगा पानी

जल संकट केवल प्रशासनिक आदेशों से हल नहीं हो सकता, इसके लिए जनभागीदारी और जागरूकता जरूरी है, यदि ग्रामीण और शहरी नागरिक मिलकर तालाबों की सफाई करें, कुओं को पुनर्जीवित करें, बोरवेल पर नियंत्रण रखें और वाटर हार्वेस्टिंग अपनाएं तो भूजल स्तर को काफी हद तक सुधारा जा सकता है।

योजना अच्छी,लेकिन ईमानदारी जरूरी

कोरिया जिले का 5 प्रतिशत मॉडल एक सकारात्मक पहल हो सकती है, लेकिन यह तभी सफल होगी जब सोख्ता गड्ढे वैज्ञानिक तरीके से बनें,उनकी नियमित निगरानी हो और अभियान केवल आंकड़ों तक सीमित न रहे, वरना यह खतरा बना रहेगा कि आने वाले समय में कहीं यह भी अवार्ड और रिकॉर्ड की सूची में चमकता हुआ नाम बनकर रह जाए, जबकि जमीन के नीचे का पानी पहले की तरह लगातार घटता ही रहे, और तब शायद गांवों के लोग फिर यही कहेंगे- गड्ढे तो बहुत बने, पर पानी कहीं नहीं रुका।

मेडिकल कॉलेज परिसर में भड़की आग, आधा दर्जन कंडम एंबुलेंस जलकर राख

-संवाददाता-

कोरबा,09 मार्च 2026 (घटती-घटना)। जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में सोमवार को अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया,जिससे परिसर में लंबे समय से खड़ी आधा दर्जन कंडम एंबुलेंस सहित कई अन्य वाहन जलकर खाक हो गए। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मरीजों के परिजन,अस्पताल स्टाफ और आसपास के लोग मौके पर बड़ी संख्या में जमा हो गए। आग की ऊंची लपटें और घना धुआं दूर से ही दिखाई दे रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल परिसर में लंबे समय से पुरानी एंबुलेंस और अन्य कबाड़ वाहन खड़े थे। इन्हें हटाने की मांग कई बार की गई थी,लेकिन इस पर

ध्यान नहीं दिया गया। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते इन कंडम वाहनों को हटा दिया जाता तो ऐसी घटना टल सकती थी। जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डीन डॉ. के.के. सहारे ने बताया कि परिसर में खड़े कंडम वाहनों में आग लगने की घटना सामने आई है। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

नाम सुधार सूचना

मैं किशुन मराबी आ0 सियम्बर,उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम जमगवां तहसील लखनपुर जिला सरगुजा छ0ग0।
यह कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ मेरी पुत्री सोनिया मराबी (SONIYA MARABI) के आधार कार्ड में मेरे पुत्री का नाम सोनया (SONIYA) तथा जन्मतिथि 01/01/2008 त्रुटिवश दर्ज हो गया है। जिसका आधार कार्ड नंबर 6519 2178 7878 है। मेरी पुत्री के अंकसूची एवं जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम सोनिया मराबी (SONIYA MARABI) एवं जन्म तिथि 11/05/2009 दर्ज है, जो सत्य एवं सही है । आधार कार्ड में उसका नाम सोनिया मराबी (SONIYA MARABI) एवं जन्म तिथि 11/05/2009 दर्ज कराने हेतु स्वयं का शपथपत्र प्रस्तुत किया गया है।

सपथकर्ता
किशुन मराबी

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर -2 जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क0-202602021700029 /अ-27/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका देवी पुष्पा पति श्री पन्ना लाल पटेल, जाति कुर्मी, निवासी ग्राम लमगांव, तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा द्वारा ग्राम कांतिप्रकाशपुर स्थित भूमि खसरा न0 149/4, 149/17 कुल खसरा नंबर 02 कुल रकबा 0.109 हे0 भूमि का अनावेदक हर्षित पटेल आ. राजकुमार पटेल व अन्य, निवासी ग्राम लमगांव, तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा छ0ग0 के मध्य खाता विभाजन कराने बावत् आवेदन छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत् प्रस्तुत की गई है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 26/03/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।
आज दिनांक 13/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2

न्यायालय नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा.

रा0प्र0क्र0/....../अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुवारानी विश्वकर्मा (शर्मा) पिता स्व. जुगेश्वर प्रसाद विश्वकर्मा (शर्मा) पति संजय विश्वकर्मा, उम्र- 47 वर्ष, जाति लोहार, निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के पिता जुगेश्वर प्रसाद विश्वकर्मा के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, शीट नं. 10 मोहल्ला दर्रीपारा स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3940 / 4 रकबा 0.05 एकड़ भूमि है। जुगेश्वर प्रसाद विश्वकर्मा की मृत्यु दिनांक 25.05.2019 को हो गई है जिस कारण उक्त भूखण्ड से उनका नाम विलोपित कर फौति नामांतरण के आधार पर स्वयं के नाम से उक्त भूखण्ड का रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु आवेदिका द्वारा आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनाक 25/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।
आज दिनांक 24/2/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नज़ूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुधा भगत पत्नी चित्रकांत जाति उरांव निवासी विशुनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम विशुनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 166/5 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 17/3/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 9/3/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनेश्वरी पिता रामकरण पत्नी अम्बिका प्रसाद जाति रजवार निवासी पुहपुटरा तहसील लखनपुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 120/12 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, सेटलमेन्ट, बटवारा आदेश की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 17/3/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 9/3/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव,जिला-सूरजपुर

ईश्तहार

रा0प्र0क्रमांक -ब-121/2025-26

आम जनता ग्राम धरतीपारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक कमला प्रासद पिता बिदूर राम जाति कुम्हार निवासी ग्राम धरतीपारा तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने माता स्व0 कौशिल्या पति बिदुर राम का मृत्यु दिनांक 23/07/2025 को ग्राम बरपारा मे मृत्यु होना बताकर मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत मय आवेदन, शपथ पत्र, वार्ड का पंचनामा, आधार कार्ड की छाया प्रति सहित स्थानीय रजिस्ट्रार (जन्म / मृत्यु) का रजिस्ट्रीकरण (मध्यप्रदेश) निगम 1969 के नियम 10 (13) के अन्तर्गत निर्देश देने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
उक्त मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था कोई आपत्ति हो तो दिनांक 16 / 03 / 2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय मे अपना अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि बाद प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नही किया जावेगा । तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।
आज दिनांक 02/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव,जिला सूरजपुर

नगर पंचायत पटना का पहला साल

विकास की रफ्तार 'कछुआ चाल', भ्रष्टाचार की कहानी 'तेज रफ्तार'

नगर पंचायत पटना का पहला साल, विकास की धीमी चाल,भ्रष्टाचार का बड़ा बवाल

एक साल में नगर पंचायत का सफर...विकास कम, विवाद ज्यादा

नगर बना पटना, पर विकास अभी भी रास्ता तलाश रहा

भ्रष्टाचार, निलंबन और नए अधिकारी के बीच गुजर गया पटना नगर पंचायत का पहला साल

पहला सालः फाइलों में विकास, सुर्खियों में भ्रष्टाचार

-रवि सिंह-

कोरिया/पटना,09 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बनने का सपना पटना के लोगों ने वर्षों तक देखा था,मंचों पर मांग उठी,नेताओं के सामने गुहार लगी और अधिकारियों के सामने विकास का खाका रखा गया, लोगों को विश्वास था कि जैसे ही पटना को नगर पंचायत का दर्जा मिलेगा,वैसे ही विकास की गाड़ी रफ्तार पकड़ लेगी और क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी, आखिरकार वह दिन भी आया जब पटना को नगर पंचायत का दर्जा मिला और पहली बार जनप्रतिनिधि चुने गए। शपथ ग्रहण हुआ,भाषण हुए और विकास के बड़े-बड़े संकल्प लिए गए,लेकिन अब जब उस ऐतिहासिक शपथ ग्रहण को एक साल पूरा हो चुका है,तो नगर पंचायत के पहले वर्ष की कहानी कुछ अलग ही अंदाज में सामने आती है। यह साल विकास की उपलब्धियों से ज्यादा भ्रष्टाचार के आरोपों,प्रशासनिक टकराव और आखिरकार अधिकारी के निलंबन के लिए चर्चा में रहा, कह सकते हैं कि पटना नगर पंचायत का पहला साल विकास की धीमी चाल और विवादों की तेज चाल के बीच झूलता रहा।

चार साल बाकी...अब असली परीक्षा

नगर पंचायत पटना के पांच साल के कार्यकाल में से एक साल गुजर चुका है,पहला साल विवादों,प्रशासनिक खींचतान व भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच बीत गया,अब आने वाले चार वर्ष यह तय करेंगे कि पटना नगर पंचायत वास्तव में विकास की राह पर आगे बढ़ेगा या फिर यह नगर पंचायत केवल कागजों में योजनाओं और फाइलों का नगर बनकर रह जाएगा, नगर के लोगों को अभी भी उम्मीद है कि जिस नगर पंचायत को पाने के लिए उन्होंने वर्षों तक संघर्ष किया, वह केवल नाम का नगर नहीं बल्कि विकास का उदाहरण बनेगा, और शायद आने वाले वर्षों में लोग यह कह सकें-पटना सिर्फ नगर पंचायत नहीं बना,बल्कि सचमुच नगर बन गया।

नए अधिकारी से नई उम्मीद

भ्रष्टाचार के आरोपों और निलंबन की घटनाओं के बाद अब नगर पंचायत पटना को नया मुख्य नगर पालिका अधिकारी मिल चुका है, नए अधिकारी की पदस्थापना के साथ ही नगर में एक बार फिर उम्मीद की किरण दिखाई देने लगी है, जनप्रतिनिधियों का कहना है कि अब नगर के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी और योजनाओं को तेजी से लागू किया जाएगा, नगर पंचायत अध्यक्ष का भी कहना है कि पहला वर्ष चुनौतियों से भरा रहा, लेकिन आने वाले चार वर्षों में नगर के विकास को नई दिशा दी जाएगी।

नगर बनने का सपना और जमीनी हकीकत

पटना क्षेत्र को नगर पंचायत बनाने की मांग लंबे समय से उठती रही थी, ग्रामीणों का मानना था कि ग्राम पंचायत की सीमाओं में विकास की संभावनाएँ सीमित हैं और नगर पंचायत बनने से क्षेत्र को नई पहचान मिलेगी,जब यह सपना पूरा हुआ तो लोगों ने उम्मीद की कि अब पटना भी विकास की मुख्यधारा में शामिल हो जाएगा, लेकिन पहले साल की हकीकत ने लोगों को यह एहसास जरूर कराया कि नगर पंचायत बनना आसान है, मगर नगर जैसा विकास होना उतना आसान नहीं।

विकास की शुरुआत-धीमी मगर दिखाई दी...

नगर पंचायत के पहले वर्ष में विकास पूरी तरह रुका रहा,ऐसा कहना भी गलत होगा,इन एक वर्षों में नगर की कुछ सड़कों का मरम्मत और कायाकल्प हुआ,सफाई व्यवस्था में कुछ सुधार नजर आया,वार्ड स्तर पर पार्षदों ने लोगों की समस्याओं को सुना और हल करने की कोशिश की, नगरवासियों का कहना है कि कई मामलों में पार्षदों की सक्रियता से लोगों को राहत मिली और उन्हें छोटी-छोटी समस्याओं के लिए ज्यादा भागदौड़ नहीं करनी पड़ी,फिर भी लोगों का मानना है कि नगर पंचायत बनने के बाद जितनी तेजी से विकास होना चाहिए था,वह रफ्तार अभी दिखाई नहीं दे पाई।

भ्रष्टाचार की परछाई में पहला साल

नगर पंचायत पटना के पहले वर्ष की सबसे चर्चित घटना रही पहले पदस्थ मुख्य नगर पालिका अधिकारी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप,नगर में चर्चा रही कि विकास कार्यों के लिए आने वाली राशि का सही उपयोग नहीं हो रहा है और कई मामलों में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई,इन आरोपों ने नगर पंचायत के कामकाज को भी प्रभावित किया और जनप्रतिनिधियों के सामने एक नई चुनौती खड़ी कर दी,नगर में लोग तंज कसते हुए कहते भी नजर आए-नगर पंचायत नई बनी है,लेकिन भ्रष्टाचार का अनुभव शायद पुराना था।

अध्यक्ष और सीएमओ के बीच तालमेल की कमी

नगर पंचायत पटना के पहले वर्ष की एक और चर्चा रही निर्वाचित अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी के बीच तालमेल की कमी, विकास कार्यों को लेकर दोनों के बीच मतभेद सामने आते रहे। कई बार फाइलों के अटकने और योजनाओं के धीमे क्रियान्वयन की बातें भी सामने आई,नगर के जानकारों का कहना है कि यदि प्रशासनिक और राजनीतिक नेतृत्व के बीच बेहतर तालमेल होता तो शायद विकास की रफ्तार कुछ और होती।

जनप्रतिनिधियों का विरोध और अधिकारी का निलंबन

भ्रष्टाचार के आरोपों और बढ़ते विवादों के बीच नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने इस मुद्दे को उठाया और कार्रवाई की मांग की, आखिरकार स्थिति ऐसी बनी कि संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई हुई और उन्हें निलंबित कर दिया गया,नगर में इस घटना को लेकर काफी चर्चा हुई। कई लोगों ने इसे जनप्रतिनिधियों की सक्रियता का परिणाम बताया,तो कुछ लोगों ने इसे प्रशासनिक व्यवस्था की कमजोरी का उदाहरण भी कहा।

टी 20 विश्व कप जीतते ही बसदेई में मना क्रिकेट का महापर्व, तिरंगा लहराकर लोगों ने जताई खुशी...

टीम इंडिया की जीत पर बसदेई में उत्सव का माहौल,प्रोजेक्टर पर देखा फाइनल और सड़कों पर मनाया जश्न

भारत की ऐतिहासिक जीत पर बसदेई में जश्न, सड़कों पर उतरे लोग,पटाखों और नारों से गूंजा गांव

-संवाददाता-

सूरजपुर,09 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

टी20 विश्व कप फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम की शानदार जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल देखने को मिला,इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के आदर्श ग्राम पंचायत बसदेई में भी क्रिकेट प्रेमियों ने उत्साह और उल्लास के साथ भारत की जीत का जश्न मनाया।

टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया,जो टी20 विश्व कप फाइनल का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर माना जा रहा है,जवाब में न्यूजीलैंड की टीम इस लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी और भारत ने शानदार जीत दर्ज की। इस ऐतिहासिक जीत के साथ भारत टी20 विश्व कप तीन बार जीतने वाला पहला देश बन गया।

बसदेई में प्रोजेक्टर पर दिखाया गया लाइव मैच

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए इस रोमांचक मुकाबले को देखने के लिए बसदेई में विशेष व्यवस्था की गई थी,मां शीतला मेडिकल के संचालक द्वारा अपने दुकान के सामने एक भव्य प्रोजेक्टर लगाकर मैच का लाइव प्रसारण किया गया,जिससे गांव के क्रिकेट प्रेमी एक साथ बैठकर फाइनल मुकाबले का आनंद ले सकें,

जैसे-जैसे मैच रोमांचक मोड़ लेता गया,वैसे-वैसे वहां मौजूद लोगों का उत्साह भी बढ़ता गया, बड़ी संख्या में ग्रामीण,युवा और बच्चे वहां इकट्ठा होकर टीम इंडिया का उत्साहवर्धन करते रहे।

जीत के बाद सड़कों पर उतरे लोग

जैसे ही भारतीय टीम की जीत सुनिश्चित हुई, बसदेई में खुशी की लहर दौड़ गई, लोग खुशी से झूम उठे और सड़कों पर निकलकर जश्न मनाने लगे, ग्रामीणों ने तिरंगा लहराते हुए भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाए, कई जगहों पर पटाखे फोड़े गए और ढोल-नगाड़ों की धुन पर लोग देर रात तक जश्न मनाते रहे, पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

गांव में बना उत्सव जैसा माहौल

भारत की इस ऐतिहासिक जीत ने बसदेई के लोगों में देशभक्ति और गर्व की भावना को और मजबूत कर दिया। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस जीत का जश्न मनाते नजर आया, कई लोग हाथों में तिरंगा लेकर गांव की सड़कों पर घूमते रहे, वहीं बच्चों और युवाओं ने नाच-गाकर खुशी का इजहार किया, देर रात तक गांव में पटाखों की आवाज और लोगों की खुशियां गूंजती रहीं।

ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थित

इस अवसर पर बसदेई चौकी प्रभारी योगेंद्र जायसवाल,वरिष्ठ नेता विजेंद्र गोयल, बसदेई सरपंच मनोज सिंह, पूर्व सरपंच हीरेंद्र सिंह, साथ ही यशवंत थवाईत, साकेत थवाईत, स्वयं थवाईत,गंगाराम साहू, मनीष केसरवानी, मारुति नंदन चक्रधारी,मुनेश्वर राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर टीम इंडिया की जीत का जश्न मनाया।

देशभर में जश्न का माहौल

भारत की इस ऐतिहासिक जीत के बाद केवल बसदेई ही नहीं,बल्कि देश के कई शहरों और गांवों में भी लोग सड़कों पर उतरकर जश्न मनाते नजर आए, तिरंगे झंडे लहराए गए,पटाखे फोड़े गए और देर रात तक जीत का उत्सव चलता रहा,टीम इंडिया की इस शानदार जीत ने पूरे देश को गर्व का अवसर दिया है और क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह पल लंबे समय तक यादगार बना रहेगा।

गैस के बढ़ते दामों पर सूरजपुर में कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस से झूमा-झटकी के बीच जला पीएम का पुतला

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का उबालःअग्रसेन चौक पर पुतला दहन,पुलिस ने डंडों से बुझाई आग

सिलेंडर महंगा,राजनीति गर्म...सूरजपुर में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन,पुलिस से तीखी नोकझोंक

-संवाददाता-

सूरजपुर,09 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

घरेलू एलपीजी गैस और कमर्शियल गैस सिलेंडरों के दामों में केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में की गई बढ़ोतरी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को सूरजपुर के अग्रसेन चौक पर विरोध प्रदर्शन किया, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई और गैस कीमतों में वृद्धि के खिलाफ केंद्र सरकार तथा प्रधानमंत्री के विरोध में सांकेतिक पुतला दहन कर अपना आक्रोश जताया।

दरअसल,केंद्र सरकार द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये तथा व्यावसायिक गैस सिलेंडर में 115 रुपये की वृद्धि किए जाने के बाद देशभर में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं,कांग्रेस का आरोप है कि इस बढ़ोतरी से मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों की रसोई पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया, प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में पार्टी का झंडा लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और गैस की बढ़ती कीमतों को आम जनता के साथ अन्याय बताया।

महंगाई को लेकर कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश में पहले से ही महंगाई का दबाव बढ़ता जा रहा है,खाद्य सामग्री, पेट्रोल-डीजल और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं,ऐसे समय में गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी आम लोगों के लिए और मुश्किलें खड़ी कर रही है, प्रदर्शनकारियों का कहना था कि रसोई गैस आज हर घर की जरूरत बन चुकी है और इसकी कीमतों में बार-बार वृद्धि से गरीब और मध्यम वर्ग की कमर टूट रही है, कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में विफल रही है।

पुलिस और कांग्रेसियों में झड़प

प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब कांग्रेस कार्यकर्ता प्रधानमंत्री का पुतला जलाने की कोशिश करने लगे, मौके पर मौजूद पुलिस बल ने पुतला दहन को रोकने का प्रयास किया,जिससे कुछ देर के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झूमा-झटकी की स्थिति बन गई,बताया जा रहा है कि युवक कांग्रेस के दोनों विधानसभा अध्यक्ष विक्की समद्दार और परमेश्वर राजवाड़े पुलिस को चकमा देकर पुतले में आग लगाने में सफल हो गए, इसके बाद पुलिस अधिकारियों और जवानों ने पुतले में लगी आग को बुझाने की कोशिश की।

डंडों से बुझाई गई आग

घटना के दौरान पुलिस कर्मियों ने पुतले में लगी आग को बुझाने के लिए डंडों से उसे पीट-पीट कर आग बुझाने का प्रयास किया, यह दृश्य वहां मौजूद लोगों के लिए चर्चा का विषय बन गया, स्थानीय लोगों ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया, कई लोग इस घटनाक्रम को मोबाइल फोन में कैद करते हुए दिखाई दिए और मौके पर मौजूद लोगों के बीच इसे लेकर चर्चा होती रही, हालांकि पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता पुतला दहन करने में सफल रहे, इस दौरान चौक पर कुछ देर तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद

इस प्रदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शशि सिंह की अगुवाई में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ईस्माइल खान, संजय डोसी, सुनील अग्रवाल, मेहंदी यादव, नवीन जायसवाल, प्रदीप साहू, बिहारी कुलदीप, बबीता गुप्ता, वेद प्रकाश मिश्रा, विमलेश तिवारी, संतोष पावले, विक्की समद्दार, रोहन रजवाड़े, सुनील सारथी, शान्तु डोसी, शक्ति ठाकुर, परमेश्वर राजवाड़े, राजपाल कसेरा, पवन साहू, इमरान एराकी, दीपक देवांगन, आशीष सिंह, जमील सिद्दीकी, लिवनेस सिंह, जबारुल हक, हेमंत साहू, घूरन सिंह सहित जिला कांग्रेस कमेटी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजनीतिक माहौल गर्म

गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि को लेकर देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं, सूरजपुर में हुआ यह प्रदर्शन भी उसी कड़ी का हिस्सा माना जा रहा है, फिलहाल यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर कितना तेज होता है और सरकार इस पर क्या प्रतिक्रिया देती है।

CMYK

फिल्म 'मालामाल' वीकली का बनने जा रहा है सीक्वल

कॉमेडी से भरपूर फिल्म मालामाल वीकली का सीक्वल बनने जा रहा है। करीब बीस पूर्व रीलिज हुई प्रियदर्शन की इस कल्ट कॉमेडी ने एक गुम हुए लॉटरी टिकट की कहानी को लेकर दर्शकों को खूब हंसाया था। अब इसके सीक्वल की खबर से फैंस फिर से उत्साहित हैं। फिल्म में परेश रावल राजपाल यादव, रितेश देशमुख और दिवंगत ओम पुरी ने यादगार भूमिकाएं निभाई थीं। हालांकि 'मालामाल वीकली 2' की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है,मगर फिल्म के मुख्य अभिनेता परेश रावल ने इस खबर पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने बताया,'हां, यह सच है। मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं और हम इसे कर रहे हैं।' पहली फिल्म में लॉटरी टिकट बेचने वाले लीलाराम की भूमिका निभाने वाले परेश रावल दोबारा इसी किरदार में कमाल दिखाने की तैयारी में हैं। दिलचस्प रूप से, साल 2012 में कमाल धमाल मालामाल रिलीज़ हुई थी,जिसे 'मालामाल वीकली' का रीबूट माना गया था। इसमें भी परेश रावल के साथ राजपाल यादव,ओम पुरी और नाना पाटेकर ने बेहतरीन अभिनय से कॉमेडी का स्तर ऊंचा रखा था। हालांकि उस समय इसे आधिकारिक सीक्वल नहीं कहा गया था, लेकिन इस बार फिल्म के सीधे सीक्वल की पुष्टि ने पुराने दर्शकों की यादें ताजा कर दी हैं। इस बीच परेश रावल दूसरी फिल्म भागमभाग 2 को लेकर भी चर्चा में हैं, जो उनकी 2006 की सुपरहिट फिल्म का सीक्वल है। इस बार फिल्म में बड़ा बदलाव यह है कि गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी नजर आएंगे, जिससे कहानी और प्रस्तुति में नए रंग जुड़ने की

उम्मीद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो परेश रावल आने वाले महीनों में कई बड़ी फिल्मों के साथ दर्शकों के बीच लौटने वाले हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म भूत बंगला में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे, जो 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। इसके साथ ही, सुपरहिट तिकड़ी अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल फिर से दर्शकों का मनोरंजन करेगी क्योंकि अभिनेता फिल्में वेलकम टू द जंगल और हेराफेरी 3 में भी नजर आएंगे।

हर दिन मिलती हैं रेप की धमकियां : आयशा खान

एक्ट्रेस ने कहा...मेरे पीरियड्स पर गाना शूट करना एक नेशनल जोक बन गया

एक्ट्रेस आयशा खान ने हाल ही में बताया कि सोशल मीडिया पर अक्सर उन्हें बॉडी को लेकर सेक्शुअल कमेंट्स मिलते हैं और लगभग हर दिन उन्हें रेप की धमकियां भी दी जाती हैं। मोजो स्टोरी की समिट में आयशा ने कहा कि हाल ही में उन्होंने फिल्म धुरंधर के गाने शरारत की शूटिंग से जुड़ा एक अनुभव शेयर किया था। उन्होंने बताया था कि उस गाने की शूटिंग उन्होंने पीरियड्स के दौरान की थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें काफी ट्रोल किया गया। आयशा ने कहा कि उन्हें लगा कि उनके पीरियड्स पर होना अचानक एक नेशनल जोक बन गया है। एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया पर लोग उनके कपड़ों को लेकर भी कमेंट करते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इंस्टाग्राम पर लगभग हर दिन अपनी बॉडी को लेकर सेक्शुअल कमेंट्स का सामना करती हूं। अगर मैं नॉर्मल टॉप पहनती हूं तो लोगों को समस्या होती है। अगर मैं स्कर्ट पहनती हूं तो भी लोगों को दिक्कत होती है। मुझे कुछ पोस्ट करने से पहले भी सोचना पड़ता है।' उन्होंने कहा कि कई बार इस तरह की बातें उन्हें इमोशनली परेशान करती हैं। उनके मुताबिक अगर किसी को कपड़े पहनने या फोटो पोस्ट करने से पहले सोचना पड़े, सिर्फ इसलिए कि लोग उसे सेक्शुअल तरीके से देखेंगे, तो यह एक दुखद स्थिति है।

गलत कमेंट्स से डर लगता है : आयशा

आयशा ने कहा कि कुछ दिनों में वह इन बातों को नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन कई बार ऐसे कमेंट्स ज्यादा परेशान करते हैं, खासकर जब लोग हिंसा की बात करते हैं। उन्होंने कहा,'जब लोग लिखते हैं कि अगर उनके पास ताकत होती तो वह कुछ भी कर सकते थे, तो यह डराने वाला होता है। क्योंकि यह असली लोग हैं जो हमारे आसपास ही रहते हैं।'

लगभग हर दिन रेप की धमकियां भी मिलती हैं: आयशा

समिट के दौरान आयशा से पूछा गया कि क्या उन्हें ऑनलाइन रेप की धमकियां मिलती हैं? इस पर उन्होंने कहा,'हां, लगभग हर दिन। मैं अभी अपना फोन खोलकर दिखा सकती हूं। यह अब बहुत नॉर्मल हो गया है।' उन्होंने कहा कि इंटरव्यू और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के सवाल अक्सर उठते हैं,लेकिन इस पर ज्यादा कार्रवाई नहीं होती। उनके मुताबिक यह कोई नई समस्या नहीं है। यह काफी समय से चली आ रही है। आयशा ने यह भी कहा कि यह समस्या सिर्फ उनके साथ नहीं है। पब्लिक लाइफ में रहने वाली लगभग हर महिला को इस तरह की ट्रोलिंग और धमकियों का सामना करना पड़ता है।

एक्ट्रेस ने बताया- उनके साथ रेप की कोशिश हुई:

आयशा ने अपने जीवन की एक निजी घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनके साथ एक बार रेप की कोशिश भी हो चुकी है। उन्होंने कहा,'मैंने पहले भी एक इंटरव्यू में इसके बारे में बात की है। मैं इस विषय पर ज्यादा नहीं जाना चाहती। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब यह घटना फिर याद आ जाती है और मन को परेशान करती है।' आयशा ने कहा कि ऑनलाइन धमकियों के असल जिंदगी में सच हो जाने का डर भी उन्हें रहता है। उन्होंने कहा कि जब कोई महिला सफर कर रही होती है या किसी फिल्म के सेट पर काम कर रही होती है, तब भी उसे याद रहता है कि ऐसे कमेंट करने वाले लोग असल में आसपास ही मौजूद हो सकते हैं।

नवाजुद्दीन निभाएंगे फिल्म 'तुम्बाड-2' में महत्वपूर्ण भूमिका

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी को कल्ट हॉरर-फैंटेसी फिल्म तुम्बाड के दूसरे सीजन में एक महत्वपूर्ण किरदार के लिए शामिल किया गया है। दर्शकों को उम्मीद है कि यह सीक्वल पहले से कहीं अधिक रोमांचक और प्रभावशाली होगा। फिल्म के पहले भाग में विनायक राव की प्रमुख भूमिका निभाने वाले सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार फोटो शेयर कर नवाजुद्दीन के जुड़ने की घोषणा की। फोटो में दोनों कलाकार रस्सी के सहारे मस्ती करते नजर आ रहे हैं। पोस्ट के जरिए सोहम ने लिखा, 'हमें खुशी है कि हमारे समय के सबसे बेहतरीन अभिनेताओं में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी 'तुम्बाड-2' से जुड़ गए हैं।' इसके बाद सोशल मीडिया पर फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ गई है, जो नवाजुद्दीन के किरदार और फिल्म की रिलीज़ डेट को लेकर लगातार सवाल कर रहे हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जो अपने गहन और मनोवैज्ञानिक रूप से जटिल किरदारों के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में भी एक बेहद मजबूत और लेयर्ड भूमिका निभाने वाले हैं। हालांकि उनके किरदार की कहानी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि उनकी उपस्थिति सीक्वल के तनाव, रहस्य और हॉरर को कई गुना बढ़ा देगी। अभिनेता ने भी फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि वे लंबे समय से 'तुम्बाड' की मौलिकता और उसके अनोखे माहौल की प्रशंसा करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब सोहम शाह ने सीक्वल का विजन साझा किया, तो कहानी ने उन्हें तुरंत आकर्षित किया।

इतिहास और कला को भव्यता के साथ पर्दे पर उतारने में सक्षम है संजय लीला भंसाली

बॉलीवुड के मशहूर फिल्मकार संजय लीला भंसाली ने हाल ही में अपना जन्मदिन मनाया। भंसाली भारतीय सिनेमा में उन चुनिंदा निर्देशकों में गिने जाते हैं जो इतिहास और कला को बड़े पैमाने पर पर्दे पर उतारने में सक्षम हैं। उनकी फिल्मों का हर फ्रेम सौंदर्य, गरिमा और क्लासिकता का प्रतीक माना जाता है। भंसाली की फिल्मों के भव्य सेट अक्सर बॉलीवुड की पूरी फिल्म के बजट जितने महंगे होते हैं। देवदास इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसमें चंद्रमुखी का कोठा और पारो का महल बनाने में लगभग 15 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुआ था। इतना ही नहीं, फिल्म के लिए ऐश्वर्या राय की लगभग 600 साड़ियां विशेष रूप से तैयार करवाई गई थीं। इन फिल्मों में भंसाली जिस बारीकी, कलात्मकता और ऐतिहासिक सौंदर्य को रचते हैं, वह उन्हें अन्य निर्देशकों से अलग पहचान देता है। लेकिन उनकी फिल्मों में महिला पात्रों की मज़बूत छवि के पीछे एक व्यक्तिगत कहानी छिपी है। भंसाली ने अपनी मां लीला भंसाली को बेहद संघर्षपूर्ण जीवन जीते देखा। बच्चों को पालने के लिए उनकी मां कपड़े सिलती थीं, साड़ियों में फॉल लगाती थीं और ज़रूरत पड़ने पर छोटे मंच पर नृत्य भी करती थीं। कठिन परिस्थितियों में भी उनकी मुस्कान और दृढ़ता ने भंसाली को गहराई से प्रभावित किया। यही वजह है कि निर्देशक ने ठान लिया कि उनकी फिल्मों में हर अभिनेत्री बड़े मंच पर सम्मान और शक्ति के साथ दिखाई जाएगी बिल्कुल उनकी मां की तरह दृढ़ और साहसी। एक इंटरव्यू में भंसाली ने बताया था कि देवदास में वे ऐश्वर्या राय और माधुरी दीक्षित को मां दुर्गा के रूप में देखते थे, क्योंकि उनके लिए महिलाओं से बड़ी शक्ति कोई नहीं। यही कारण है कि उनकी अधिकांश फिल्मों में पुरुष किरदार भावनात्मक रूप से टूटे हुए दिखते हैं,जबकि महिला पात्र शक्ति और नेतृत्व का प्रतीक होते हैं चाहे बात पद्मावत की हो या रामलीला की। भंसाली राज कपूर के भी बड़े प्रशंसक हैं और उनके प्रेरणास्रोत भी। राज कपूर की फिल्मों ने भंसाली को निर्देशन की राह चुनने के लिए प्रेरित किया। कला, संस्कृति और भावनाओं के संगम से बनी भंसाली की फिल्में आज भी भारतीय सिनेमा में उत्कृष्टता की मिसाल मानी जाती हैं। मालूम हो कि भंसाली अपनी भव्य फिल्मों, शानदार सेट डिज़ाइनों और सशक्त महिला पात्रों के लिए मशहूर हैं। उनकी फिल्मों हम दिल दे चुके सनम, देवदास, बाजीराव मस्तानी और हालिया प्रोजेक्ट हीरामंडी तक, हर फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर चर्चा में रही है,बल्कि किरदारों के संवाद, संगीत और विशाल सेट भी लंबे समय तक दर्शकों की यादों में बसे रहे हैं।

स्वास्तिका मुखर्जी की नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा सुर्खियों में

नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा आजकल सुर्खियों में है। यह फिल्म मां-बेटी के रिश्ते, अपराधबोध और आत्म-खोज की भावनाओं को गहराई से परखती है। फिल्म में स्वास्तिका बृष्टि नाम की तलाकशुदा महिला का किरदार निभा रही हैं, जो भावनात्मक रूप से बेहद जटिल, कमियों से भरी और असुरक्षाओं से घिरी हुई महिला है। इंडो-अमेरिकन प्रोडक्शन के तहत बनने वाली यह फिल्म आज से शूटिंग शुरू करेगी, जिसमें जानी-मानी अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। स्वास्तिका के अनुसार,बृष्टि ऐसा किरदार है जिसे पहली नजर में हर कोई शायद पसंद न करे। वह कई बार भावनाओं में बहकर गलत फैसले लेती है,लेकिन अपनी बेटी के लिए उसका प्यार बेहद सच्चा और गहरा है। अभिनेत्री ने कहा कि यह कहानी उन दुर्लभ पलों को दर्शाती है,जब इंसान अपनी कमजोरी के बीच छिपी वास्तविक ताकत को खोजता है। कहानी में बृष्टि अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए उसे बिना अनुमति अपने साथ ले जाती है। यह कदम वह केवल भावनात्मक आवेग में उठाती है,लेकिन इसके बाद घटनाएं अप्रत्याशित रूप से बदल जाती हैं, जब बच्ची वास्तव में किडनैप हो जाती है। इसके बाद बृष्टि एक ऐसी यात्रा पर निकलती है,जो सिर्फ अपनी बेटी की तलाश नहीं, बल्कि खुद को समझने और अपनी गलतियों का सामना करने की भी प्रक्रिया है। स्वास्तिका ने बताया कि कहानी मातृत्व के भावनात्मक संघर्षों को ही नहीं,बल्कि एक महिला की आत्म-खोज की परतों को भी उजागर करती है।

खेल समाचार

एएफसी एशियाई कप फुटबॉल में आज चीनी ताइपे से होगा भारतीय टीम का मुकाबला

नई दिल्ली,09 मार्च 2026। ऑस्ट्रेलिया में जारी एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल में भारतीय महिला फुटबॉल टीम आज चीनी ताइपे से खेलेगी। भारतीय टीम के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसे क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखने के लिए ये अंतिम ग्रुप मैच दो गोल के अंतर से जीतना होगा। इसके अलावा कुछ अन्य परिणाम उसके अनुसार रहने की उम्मीद करनी होगी। भारतीय टीम के लिए हालांकि अपने से ऊंची रैंकिंग वाली चीनी ताइपे को हराना आसान नहीं होगा। चीनी ताइपे ने एक अन्य मैच में चीन को 1-0 से हराया है जिससे उसके लय में होने को अंदाजा होता है। भारतीय टीम अपने पहले मैच में वियतनाम से 1-2 से हार गयी थी। वहीं दूसरी मैच में उसे जापान से 11-0 से हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उसे चीनी ताइपे को हराने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। जापान के हाथों भारतीय टीम को 11-0 से हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार शुरुआती दो मैच हाकर भारतीय टीम ग्रुप सी में अंतिम स्थान पर फिसल गयी है। अब भारतीय टीम को अर क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखनी है। तो उसे 10 मार्च को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबले में बड़ी जीत हासिल करनी होगी। चीनी ताइपे ने एक अन्य मैच में चीन को 1-0 से हराया है जिससे उसके लय में होने को अंदजा होता है। भारतीय महिला फुटबॉल टीम जापान के खिलाफ मुकाबले में लय में नहीं दिखी। पूर्व चैंपियन जापान मैच शुरू के बाद ही हावी हो गयी। उसने शुरूआती हाफ में ही 5-0 की बढ़त के साथ ही अपनी जीत की संभावना पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल किये। जापान के खिलाफ इस मैच में भारतीय टीम कहीं भी मुकाबले में नहीं दिखी।

वर्ल्ड कप जीतते ही ट्रॉफी लेकर हनुमान मंदिर दौड़े सूर्या,गंभीर और जय शाह

नई दिल्ली,09 मार्च 2026। भारतीय टीम की ऐतिहासिक टी20 वर्ल्ड कप जीत के बाद एक बहुत ही खास नजारा देखने को मिला। टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह अहमदाबाद के हनुमान टेकरी मंदिर पहुंचे। उन्होंने वहां वर्ल्ड कप ट्रॉफी के साथ माथा टेका और आशीर्वाद लिया। यह पल इसलिए भी खास था क्योंकि भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। साथ ही, भारत अपनी ही धरती पर यह ट्रॉफी जीतने वाला पहला देश बन गया है। यह हनुमान टेकरी मंदिर अहमदाबाद (गुजरात) के मोटेरा इलाके में स्थित है। यह मंदिर दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम, नरेन्द्र मोदी स्टेडियम के बिल्कुल पास (लगभग परिसर के अंदर ही) है। जो भी लोग मैच देखने स्टेडियम जाते हैं, वे अक्सर इस मंदिर के दर्शन करते हैं। यह मंदिर बहुत पुराना है और स्टेडियम बनने से पहले से ही यहां स्थित है। यहां भगवान हनुमान के बाल स्वरूप की पूजा होती है।

भारत ने 3 साल में 3 आईसीसी ट्रॉफी जीतीं...

एक टी-20 वर्ल्डकप में 100 से ज्यादा सिक्स लगाए

अहमदाबाद,09 मार्च 2026। भारत ने तीन साल में तीसरी आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। साथ ही टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बनी,जबकि संजू सैमसन ने टूर्नामेंट में एक एडिशन में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाकर विराट कोहली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। भारत ने सिर्फ तीन साल के भीतर तीन आईसीसी ट्रॉफियां अपने नाम कर लीं। टीम ने 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर 17 साल बाद यह खिताब हासिल किया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम कर जीत की लय बरकरार रखी और अब 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर भारत ने तीन साल में तीसरी आईसीसी ट्रॉफी हासिल कर ली। टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में दो-दो बार हारने वाली टीमों में पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड शामिल हैं। पाकिस्तान 2007 और 2022 में, श्रीलंका 2009 और 2012 में, जबकि न्यूजीलैंड 2021 और 2026 में फाइनल हार चुका है। इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा बार 200+ का

स्कोर बनाने वाली टीम बन गई। टीम इंडिया ने अब तक सात बार 200+ रन बनाए हैं। इस रिकॉर्ड में साउथ अफ्रीका 6 बार 200+ स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड 4-4 बार यह आंकड़ा पार कर चुके हैं। टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 250+ स्कोर बनाने के मामले में भी भारत टॉप पर है। टीम इंडिया अब तक सात बार 250 से ज्यादा का स्कोर बना चुकी है। इस रिकॉर्ड में आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद 5 बार 250+ स्कोर के साथ दूसरे नंबर पर है। भारत ने 2026 में चार बार 250+ स्कोर बनाया, जो किसी भी टीम से एक साल में सबसे ज्यादा है।

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में नया अध्याय लिख दिया। टीम इंडिया 2024 के बाद 2026 में भी चैंपियन बनी और टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। इसके साथ ही इंडिया तीन टी-20 वर्ल्ड कप (2007, 2024 और 2026) जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में जीत के साथ भारत ने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी जीती। इससे पहले टीम ने 2007 में साउथ अफ्रीका और 2024 में वेस्टइंडीज में खिताब जीता था।

अब भारत के नाम तीन टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी हो गई हैं,जबकि वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दो-दो बार ही यह खिताब जीत सके हैं। भारत एक टी-20 वर्ल्ड कप में 100 से ज्यादा छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में 106 छक्के लगाए। इस रिकॉर्ड में दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज है, जिसने 2026 में ही 76 छक्के लगाए। भारत ने 2026 के फाइनल में पावरप्ले के 6 ओवर में 92 रन बनाए, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इस रिकॉर्ड में दूसरा स्थान भी 92 रन का है, जो वेस्टइंडीज ने 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ बनाया था। इसके बाद नीदरलैंड्स का 91/1 और इंग्लैंड का 89/3 स्कोर आता है।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

अहमदाबाद,09 मार्च 2026। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ। बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की। एक रिपोर्ट के अनुसार,अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, आज मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की,इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं। सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया।

15 मार्च से होगी न्यूजीलैंड-दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज

नई दिल्ली, 09 मार्च 2026। न्यूजीलैंड टीम 15 मार्च से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इसमें एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कहने वाली तेज गेंदबाज ली तहूहू का प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना रहेगा। तहूहू ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती रहेंगी। तहुहू ने कहा कि उनका प्रयास टीम को टी20 विश्व कप 2026 में जीत दिलाना है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में टी20 विश्व कप जीतना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि थी और वह इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस क्रिकेटर का कहना है कि अब अपना पूरा ध्यान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर लगाएंगी। उन्होंने कहा कि टीम के लिए आगे भी रन बनाना उनके लिए उत्साहजनक होगा। साथ ही कहा कि आगे कई रोमांचक मौके हैं और मैं टी20 फॉर्मेट में टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हूं। उनके पास दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में 5 विकेट लेकर 100 विकेट का रिकॉर्ड बनाने का अवसर है।

गंभीर ने ट्रॉफी जीतने पर खुशी जताते हुए आलोचकों को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली,09 मार्च 2026। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्वकप जीतने के बाद खुशी जताते हुए कहा है कि उनका काम करने का तरीका अलग है, इसलिए वह कई लोगों को समझ में नहीं आता पर उनकी रणनीति स्पष्ट रहती है। साथ ही कहा कि उनकी उनकी जवाबदेही टीम और उन 30 लोगों के लिए है जिसके कारण वह कोच हैं। इसलिए बाहर या सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है उससे उन्हें मतलब नहीं है। गंभीर ने कहा, 'मेरी जवाबदेही सोशल मीडिया पर लोगों के लिए नहीं है। मेरी जवाबदेही उन 30 लोगों के लिए है जो चेंज रूम में हैं।'

जून में पहली बार भारत से एकदिवसीय सीरीज खेलेगी अफगान की टीम...

नई दिल्ली,09 मार्च 2026। भारत और अफगानिस्तान की टीम जून में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। यह अफगान टीम की भारत के खिलाफ पहली एकदिवसीय सीरीज रहेगी। इसमें भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी खेलते हुए नजर आयेंगे। स प्रकार प्रशंसकों को आईपीएल के बाद एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। भारतीय टीम ने अब तक अफगानिस्तान के खिलाफ आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप में ही एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं, पर दोनों देशों के बीच अब तक कोई भी द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज नहीं हुई है। यही कारण है कि जून 2026 में होने वाली ये तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज काफी अहम मानी जा रही है। वहीं इस दौरान एकमात्र टेस्ट मैच भी खेला जाएगा। न्यू चंडीगढ़ में 6 जून से 10 जून के बीत दोनों टीमें उतरेंगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच ये अब तक का दूसरा टेस्ट

मुकाबला होगा। इससे पहले दोनों टीमों के बीच केवल साल 2018 में एक टेस्ट खेला गया था। इस टेस्ट मैच के बाद दोनों के बीच 14 जून से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। इसका पहला मैच 14जून को धर्मशाला में खेला जाएगा,जबकि दूसरा मैच 17 जून लखनऊ में और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा। इस दौरे से अफगानिस्तान टीम को काफी लाभ होगा क्योंकि उसे भारत जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ खेलने का अवसर मिलेगा।

CMYK

अफीम की खेती पर विधानसभा में हंगामा...गर्भगृह में पहुंचे 29 विधायक सस्पेंड

महंत बोले- छत्तीसगढ़ को अफीम का कटोरा बनाना चाहती है सरकार

रायपुर,09 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ विधानसभा में दुर्ग जिले के समोदा में अफीम की खेती के मुद्दे पर जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस ने स्थगन लाकर मामले की चर्चा कराने की मांग की, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद नारेबाजी करते हुए विपक्षी विधायक आसंदी तक पहुंच गए और गर्भगृह में भी हंगामा किया। इस दौरान 29 विपक्षी विधायकों को सस्पेंड कर दिया गया।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ को अफीम का कटोरा बनाने की कोशिश कर रही है सरकार। विनायक ताम्रकर अफीम की खेती कर रहा है और सरकार उसे बचाने के लिए षड्यंत्र कर रही है,जिससे प्रदेश में सूखे नशे का प्रसार बढ़ रहा है। भूपेश बघेल ने कहा कि स्ट्रक्चरल तरीके से बनाई गई, मुख्य आरोपी को बचाने के प्रयास किए गए और घटना होली से ठीक पहले हुई। कांग्रेस विधायकों ने चेतावनी दी कि यह पहली बार रिकॉर्ड में आया गंभीर मामला है और पूरे प्रदेश के फॉर्महाउस की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने जवाब में कहा कि मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की, अफीम जब्त की और आरोपियों के खिलाफ वित्तीय जांच और कार्रवाई की जा रही है।

प्रश्नकाल में विपक्ष के सवाल...पक्ष का जवाब

- **सवाल (लखेश्वर बघेल):** बस्तर के 44 हजार से ज्यादा किसानों से धान नहीं खरीदा गया। इनमें कितने वन अधिकार पट्टाधारी हैं और कितने ऋणी व अऋणी किसान हैं?
- **जवाब (दयालदास बघेल):** ये किसान धान खरीदी केंद्रों में धान बेचने ही नहीं आए। पंजीयन कराने वाले सभी किसान अपना शत-प्रतिशत धान नहीं बेचते। जो किसान केंद्रों में पहुंचे, उनका धान खरीदा गया।
- **सवाल (लखेश्वर बघेल):** जो किसान कर्ज में है, वह धान बेचने क्यों नहीं जाएगा? यह सरकार की लचर व्यवस्था है। सबसे बड़ा घोटाला धान खरीदी में ही हुआ है।
- **सवाल (भूपेश बघेल):** सरकार बताए कितने किसानों ने धान जमा किया और कितनों ने नहीं किया।
- **जवाब (दयालदास बघेल):** 44,612 किसान धान खरीदी केंद्रों में नहीं आए। प्रश्न में समर्पण कराने वाले किसानों की संख्या नहीं पूछी गई थी।
- **सवाल (भाजपा विधायक प्रमोद मिंज):** दिव्यांगजनों को पदोन्नति में आरक्षण का क्या प्रावधान है और छत्तीसगढ़ सरकार ने इस दिशा में अब तक क्या कार्रवाई की है?
- **जवाब (महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े):** दिव्यांगजनों के लिए पदोन्नति में तीन प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन अभी तक कोई पदोन्नति नहीं हुई।
- **सवाल (प्रमोद मिंज):** केंद्र सरकार का नियम 4 प्रतिशत पदोन्नति का है और सुप्रीम कोर्ट ने भी यही निर्देश दिए हैं। विभाग कह रहा है कि आवेदन नहीं आए, यह सही नहीं है। पदोन्नति कब होगी, इसकी समयसीमा बताइए।
- **जवाब (लक्ष्मी राजवाड़े):** केंद्र ने राज्यों को अधिकार दिए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने इसी के तहत 3 प्रतिशत आरक्षण रखा है। अब तक कोई आवेदन नहीं लिया गया, एक आवेदन आया था लेकिन वापस ले लिया गया।

धान खरीदी पर विपक्ष का वॉकआउट

पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने बजट सत्र में बस्तर के 32,200 से अधिक आदिवासी किसानों से धान खरीदी नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पंजीयन और टोकन के बावजूद किसानों का धान नहीं खरीदा गया और 206 करोड़ रुपये बकाया है। जवाब में खाद्य मंत्री ने कहा कि जो किसान धान लेकर खरीदी केंद्र पहुंचे, उन्हीं का धान खरीदा गया। लखमा ने सवाल उठाया कि जिन किसानों का धान नहीं खरीदा गया, उनका कर्ज कौन चुकाएगा। इस दौरान पक्ष-विपक्ष में जमकर बहस हुई। सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष के विधायकों ने वॉकआउट कर दिया था। भूपेश ने कहा कि सरकार किसानों से धान खरीदी का आंकड़ा दे। किसानों से धोखधड़ी हुई है। बता दें कि बस्तर के किसानों से धान खरीदी नहीं होने का मुद्दा पहले कांग्रेस विधायक लखेश्वर बघेल ने उठाया और सरकार से जवाब मांगा था। इस पर खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि 44,612 किसान धान खरीदी केंद्रों में धान बेचने ही नहीं आए। जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए धान खरीदी में गड़बड़ी और जबरिया समर्पण का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी सरकार से समर्पण कराने वाले किसानों की संख्या स्पष्ट करने की मांग की। सदन में इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी,रोकी गई सुनवाई

बिलासपुर,09 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ में न्यायालयों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला लगातार जारी है। सोमवार को एक बार फिर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद हाईकोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया।

धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद एहतियात के तौर पर हाईकोर्ट की सभी अदालतों में सुनवाई रोक दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गई है। डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड की टीम हाईकोर्ट परिसर में सघन जांच कर रही है। पूरे परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

बालोद और बेमेतरा कोर्ट को भी मिली धमकी : इधर सोमवार को बालोद कोर्ट और बेमेतरा जिला न्यायालय परिसर को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद इन न्यायालय परिसरों में भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच जारी है।

पहले भी मिल चुकी है धमकी

बता दें कि 25 फरवरी को भी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को इसी तरह का धमकी भरा ईमेल मिला था। उस समय भी सुरक्षा एजेंसियों ने जांच की थी, लेकिन कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली थी।

कई जिलों के न्यायालयों को मिल चुकी है धमकी

इससे पहले प्रदेश के अन्य जिलों जैसे राजनांदगांव, जांजगीर-चांपा और जगदलपुर के न्यायालयों को भी इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। हालांकि, पिछली जांच में ये धमकियां अफवाह साबित हुई थीं।

छत्तीसगढ़-राज्यसभा सांसद बनीं लक्ष्मी और फूलोदेवी

बीजेपी-कांग्रेस की सीटों पर निर्विरोध चुनाव,सीएम फेस पर बोलीं फूलोदेवी...मैंने कभी पद नहीं मांगा

रायपुर,09 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ राज्यसभा की दो सीटों के लिए भाजपा उम्मीदवार लक्ष्मी वर्मा और कांग्रेस प्रत्याशी फूलोदेवी नेताम निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। कांग्रेस ने फूलो देवी नेताम को, जबकि बीजेपी ने लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया था। दोनों दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारा। जिससे चुनाव निर्विरोध हुआ। छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की इन दोनों सीटों के लिए भाजपा और कांग्रेस ने एक-एक सीट पर चुनाव जीत लिया है। अब इन दोनों सीटों पर चुनाव नहीं होंगे। बता दें कि लक्ष्मी वर्मा पिछले 30 सालों से राजनीति में सक्रिय है, वे पार्टी के कई बड़े पदों पर रही है। वहीं, फूलोदेवी नेताम बस्तर क्षेत्र से आने वाली आदिवासी नेत्री है। वे भी पार्टी में 32 सालों से सक्रिय हैं।

दोबारा टिकट मिलना सौभाग्य : फूलोदेवी

कांग्रेस से निर्वाचित राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम ने कहा कि पार्लियामेंट में जब जब मौका मिला तब तब मैंने छत्तीसगढ़ के विकास और अधिकार के लिए आवाज उठाया। आदिवासी महिला कार्यकर्ता को दोबारा टिकट मिलना मेरा सौभाग्य है।

बीजेपी से राज्यसभा सांसद बनी लक्ष्मी वर्मा : छत्तीसगढ़ से राज्यसभा के लिए बीजेपी ने लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया था। लक्ष्मी वर्मा वर्तमान में राज्य महिला आयोग की सदस्य हैं और भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं। महिला वर्ग में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है और वे लंबे समय से सक्रिय राजनीति में हैं। लक्ष्मी वर्मा रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष रह चुकी हैं और बीजेपी की प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी निभा चुकी हैं। राज्यसभा सीट के लिए बीजेपी हाईकमान ने 7 नामों के पैनल पर मंथन किया था, जिसमें से तीन नामों को अंतिम सूची में शामिल किया गया। इनमें लक्ष्मी वर्मा, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी और नारायण चंदेल का नाम था। आखिर करीब 30 साल से राजनीति में सक्रिय लक्ष्मी वर्मा को राज्यसभा भेजने का फैसला किया गया।

कांग्रेस से फूलो देवी नेताम बनी राज्यसभा सांसद

वहीं,छत्तीसगढ़ राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने फूलो देवी नेताम को दोबारा प्रत्याशी बनाया। वे वर्तमान में महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। राज्यसभा में छत्तीसगढ़ के जिन सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें फूलो देवी नेताम का नाम भी शामिल है। कांग्रेस ने उन्हें दोबारा मौका दिया और वे निर्विरोध निर्वाचित घोषित हो गईं।

इन नामों पर भी हुआ था मंथन

वहीं, कांग्रेस हाईकमान ने राज्यसभा के लिए कुछ और संभावित नामों पर भी विचार किया था। इनमें पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व मंत्री टीएस सिंहदेव के नाम शामिल थे।

सीएम साय ने अफीम खेती मामले में दिया बड़ा बयान,गलत काम करने वाले चाहे कोई भी हो,बख्शा नहीं जाएगा

दुर्ग,09 मार्च 2026। पुलिस ने अफीम की खेती करते हुए भाजपा नेता विनायक ताम्रकर (पूर्व किसान मोर्चा अध्यक्ष दुर्ग) सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मुद्दे को प्रदेश के सियासी गलियारों में खलबली मची हुई है। अब इस मामले में सीएम साय का बड़ा बयान सामने आया है। सीएम साय ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद से ही हर पकार के अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। हालिया घटना में भी मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी हो चुकी है और मामले की जांच जारी है। जांच में यदि अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के समोदा-झेंझरी गांव में अफीम की खेती के मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। इसमें शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इनमें भाजपा नेता विनायक ताम्रकार भी शामिल हैं, जिन पर आरोप है कि उनकी देखरेख में ही यह खेती हो रही थी।

शिक्षा विभाग का आदेश...

प्रतिनियुक्ति समाप्त कर किया तबादला

रायपुर,09 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत अधिकारियों को लेकर सरकार की सख्ती अब दिखने लगी है। इसी कड़ी में स्कूल शिक्षा विभाग के अवर सचिव आरपी वर्मा ने एक आदेश जारी कर राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, रायपुर में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत प्रभारी उप संचालक डॉ. राजेश कुमार सिंह का तबादला कर दिया है। उन्हें प्रभारी उप संचालक के पद पर संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर कार्यालय में पदस्थ किया गया है। जारी आदेश के अनुसार डॉ. राजेश कुमार सिंह, जिनका मूल पद प्राचार्य का है,वर्तमान में राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, पेंशनबाड़ा रायपुर में प्रभारी उप संचालक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत थे। राज्य शासन ने उनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त करते हुए प्रशासनिक आधार पर उन्हें बिलासपुर शिक्षा संभाग में प्रभारी उप संचालक के पद पर अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक पदस्थ किया है।

धान में रेत मिलाकर हेराफेरी करने वाला खरीदी केन्द्र प्रभारी बर्खास्त

बलौदाबाजार,09 मार्च 2026। उपार्जित धान में रेत मिलाकर व्यक्तिगत लाभ के नीयत से हेराफेरी कर गबन करने के मामले में जिला प्रशासन द्वारा कड़ी कार्यवाही करते हुए धान खरीदी प्रभारी को बर्खास्त कर दिया गया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित निपनिया के धान उपार्जन केन्द्र निपनिया में उपार्जित धान के बोरों में रेत, कंकड़ धूल-मिट्टी मिलाने संबंधी वायरल विडियों की संयुक्त जाँच दल द्वारा 8मार्च 2026 को जाँच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्राप्त प्रतिवेदन में धान उपार्जन केन्द्र निपनिया के भौतिक सत्यापन में 137.20 क्विंटल धान अधिक पाया गया है। प्रतिवेदन में धान खरीदी प्रभारी लीलाराम सेन द्वारा हमालों के माध्यम से लगभग 5300 कट्टों में 2 से 3 किलोग्राम रेत मिलाया गया है।

पूर्व सीएम बघेल का आरोप...छत्तीसगढ़ में शराब का ब्रांड बदलकर हो रहा करोड़ों का खेल,कहा...बियर के अंदर मिल रही है बियर

रायपुर,09 मार्च 2026। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। बघेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि प्रदेश में 'भाजपा का शराब सिंडिकेट' चल रहा है और शराब के नाम पर बड़ा घोटाला किया जा रहा है। भूपेश बघेल ने अपने पोस्ट में लिखा है कि भाजपा सरकार में सिंडिकेट बनाकर शराब घोटाला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले का पर्दाफाश राजनांदगांव से शुरू हुआ है,जहां लंबे समय तक प्रभारी मंत्री के तौर पर उप मुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा जिम्मेदारी संभालते रहे हैं। बघेल ने आरोप लगाया कि शराब दुकानों में सस्ती बियर के कैन पर महंगी बियर का स्टीकर लगाकर बेचा जा रहा है। उनके मुताबिक वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि कैन के ऊपर किसी दूसरी कंपनी का स्टीकर लगाया गया है, जबकि अंदर का माल किसी और कंपनी का है। पूर्व मुख्यमंत्री ने इसे कमीशन, सेटिंग और संरक्षण का खेल बताते हुए कहा कि शराब के ब्रांड बदलकर करोड़ों रुपये का अवैध कारोबार चलाया जा रहा है। बघेल ने इस मामले को लेकर राज्य सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और गृह मंत्री की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'अफीम, शराब और अन्य मामलों पर सरकार की चुप्पी बहुत कुछ बयान कर रही है और जनता सब समझ रही है। 'भूपेश बघेल ने सवाल उठाते हुए लिखा है कि इस कथित गिरोह का असली सरगना कौन है, यह भी जनता समझ रही है और आखिर सरकार कब तक इस पर चुप रहेगी। इस मामले में अब तक सरकार या फिर भाजपा की ओर से कोई भी बयान जारी नहीं किया गया है।

छत्तीसगढ़ में अरबों का गबन...

2181 भ्रष्टाचार के मामले,330 मामलों में एफआईआर दर्ज,पुराने मामले अब तक अधूरे

रायपुर,09 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ में सरकारी अधिकारियों द्वारा पारदर्शिता और ईमानदारी का दावा किया जाता है, लेकिन विभागों में चोरी,गबन और वित्तीय अनियमितताओं के मामले इन दावों की पोल खोलकर रख देते है। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार अलग-अलग विभागों में अब तक 2181 ऐसे मामले दर्ज हुए हैं, जिनमें अरबों रुपए की अनियमितताओं के आरोप अधिकारियों पर हैं। इन मामलों में से 690 मामले तो 25 साल से भी पुराने हैं, जिनका निपटारा आज तक नहीं हो पाया है। आर्थिक अपराधों को दबाने के लिए अधिकारियों ने सरकारी दस्तावेजों में हेरफेर की,जिससे 70% से अधिक मामले फाइलों में ही दब गए। कुल मिलाकर 330 मामलों में स्ट्रक्चर दर्ज हुई,लेकिन ज्यादातर मामलों में प्रशासनिक कमी के कारण कोई कार्रवाई नहीं हो पाई।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार भ्रष्टाचार के मामले विभागवार इस तरह हैं:-

18 विभागों में सरकारी संपत्ति में सेंधमारी और वित्तीय अनियमितताएं-1998 से अधिक मामले। 20 विभागों में चोरी के

119+ मामले। 15 विभागों में गबन के 64+ मामले। पीडब्ल्यूडी, वन विभाग,शिक्षा,स्वास्थ्य और राजस्व जैसे कई विभाग भ्रष्टाचार के बड़े प्रकरणों में शामिल पाए गए हैं। वित्तीय अपराधों और सरकारी संपत्तियों में अनियमितताओं के बढ़ते मामलों पर शासन ने चिंता जताई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि भ्रष्टाचार के मामलों के निस्तारण में तेजी लाएं और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करें। विश्लेषकों का कहना है कि प्रशासनिक व्यवस्था में लगे अधिकारी अपने पद का गलत इस्तेमाल कर निजी लाभ उठा रहे हैं। इसका सीधा असर सरकारी सिस्टम और सेवाओं पर पड़ रहा है। इसके बावजूद अब तक कोई वसूली नहीं हुई और जिम्मेदार तय नहीं हो सके हैं।

गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोत्तरी का विरोध : कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

चूल्हे पर खाना बनाकर केंद्र सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

रायपुर,09 मार्च 2026। गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने आज रायपुर के घड़ी चौक में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हाथों में गैस सिलेंडर लेकर घड़ी चौक के सामने स्थित सरकारी कार्यालयों का घेराव करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और बढ़ती महंगाई को लेकर नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेत्रियों ने चूल्हे पर खाना बनाकर प्रतीकात्मक विरोध भी दर्ज कराया। उनका कहना था कि गैस सिलेंडर के दाम इतने बढ़ गए हैं कि आम महिलाओं को फिर से चूल्हे पर खाना बनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता पंकज शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण लगातार महंगाई बढ़ रही है और आम जनता इसकी मार झेलने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर पर 60 रुपये और व्यावसायिक सिलेंडर पर 110 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

सांसदों का आवास घेरने की दी चेतावनी : जिला अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने कहा कि गैस सिलेंडर के दामों में बेतहाशा वृद्धि से आम जनता परेशान है और कांग्रेस लगातार महंगाई के मुद्दे को लेकर आवाज उठा रही है। अगर महंगाई पर लगाम नहीं लगाई गई तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर सांसदों के आवास का घेराव किया जाएगा।

उन्होंने कहा...केंद्रीय मंत्री अगर छत्तीसगढ़ आएंगे तो उनके कानों तक भी हम अपनी बातें पहुंचाएंगे। जब तक महंगाई के मुद्दे पर सरकार ठोस कदम नहीं उठाती, तब तक पार्टी का सिलसिलेवार विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

रायपुर में मीडिया कर्मी की हत्या की कोशिश,दो हमलावर गिरफ्तार

रायपुर,09 मार्च 2026। मीडिया कर्मी की हत्या की कोशिश मामले में दो हमलावर गिरफ्तार किए गए है। सनत यदु ने थाना उरला में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वह विकाश नगर गुढियारी में रहता है, प्रीटिंग प्रेस में ऑपरेटर काम करता हूँ। दिनांक 08.03.2026 को सुबह लगभग 05 बजे ड्युटी करके प्रार्थी अपनी सायकल से अपने घर जा रहा था कि छ.ग. धर्मकांटा के पास उरला पहुँचा था, कि लगभग 05:30 बजे से 06:00 बजे के मध्य एक स्कूटी में सवार 2 अज्ञात व्यक्ति पीछे से आकर प्रार्थी को धारदार हथियार से जान से मारने की नियत से पीठ में

वार कर गंभीर रूप से घायल कर फरार हो गए थे। जिस पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध थाना उरला में अपराध क्रमांक 109(1), 3(5) बी एन एस का अपराध पंजीबध किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) मयंक गुर्जर द्वारा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) आकाश मरकाम, सहायक पुलिस आयुक्त उरला पूर्णिमा लामा तथा थाना प्रभारी उरला को अज्ञात आरोपियों की जल्द से जल्द पतासाजी के गिरफ्तार लेने हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आसपास लगे 80 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का सूक्ष्मता से परीक्षण किया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)